शनिवार
08 जून 2024

पृष्ठ 4
दौड़ने के बाद जोड़ो में होता है दर्द ?...

पृष्ठ 5
मैं ऐसे माहौल में पली-बढ़ी हूं,...

● देहरादून
● वर्ष 32
● अंक 127
● पृष्ठ 8
● मूल्य ₹ 1.00

आज का विचार

जिस प्रकार थोड़ी सी वायु से आग भड़क उठती है, उसी प्रकार थोड़ी सी मेहनत से किस्मत चमक उठती है।

— अज्ञात

दून वैली मेल

आर.एन.आई.- 59626/94
email: doonvalley_news@yahoo.com Website: dunvalleymail.com
सांध्य दैनिक
डीएवीपी से मान्यता प्राप्त

भारतीय सेना को मिले 355 युवा अफसर

संवाददाता

देहरादून। भारतीय सैन्य अकादमी से पासआउट होकर 355 युवा भारतीय सेना के अफसर बन गये। वहीं मित्र राष्ट्रो के भी 39 कैडेट पासआउट होकर अपने देश की सेना के अंग बनेंगे। इसी के साथ ही सैन्य अकादमी के नाम देश विदेश की सेना को 65 हजार 628 युवा सैन्य अधिकारी देने का गौरव जुड गया है।

❑मित्र राष्ट्रों के भी 39 कैडेट हुए पास आउट

आज यहां भारतीय सैन्य अकादमी (आईएमए) से पासआउट होकर 355 युवा भारतीय सेना में अफसर बन गए। इस दौरान विदेशी मित्र राष्ट्रों के 39 कैडेट भी पास आउट हुए, जो अपने देश की सेना में अफसर बनेंगे। पासिंग आउट परेड में युवा अफसरों का हौसला देखते ही बन रहा था। 154वें नियमित और 137वें तकनीकी ग्रेजुएट कोर्स की पीओपी आज सुबह आईएमए में हुई। कैडेट चैडवुड ड्रिल स्क्वायर पर कदम ताल करते आए तो सामने दर्शक दीर्घा में बैठे परिजनों ने उनकी हौसला अफजाई की। आईएमए से कसम परेड के बाद सेना में बतौर लेफ्टिनेंट सेवा का पहला कदम यहां से भरकर निकले। पीओपी की सलामी सेना की उत्तरी कमांड के जेसीओ लेफ्टिनेंट जनरल एमवी सुचिंद्र कुमार ने ली। पीओपी में भारतीय सैन्य अकादमी के कमांडेंट लेफ्टिनेंट जनरल संदीप जैन और डिप्टी कमांडेंट मेजर जनरल आलोक नरेश भी उपस्थित रहे। पीओपी के दौरान स्वार्ड आफ आनर- प्रवीण सिंह, स्वर्ण पदक-प्रवीण सिंह, रजत पदक- मोहित कापड़ी, रजत पदक टीजी - विनय भंडारी, कांस्य पद- शौर्य भट्ट व चीफ आफ आर्मी स्टाफ बैनर-कोहिमा कंपनी को मिला। इसी के साथ ही सैन्य अकादमी के नाम देश विदेश की सेना को 65 हजार 628 युवा सैन्य अधिकारी देने का गौरव जुड गया है। इनमें मित्र देशों को मिले 2953 सैन्य अधिकारी भी शामिल हैं। पीओपी के मद्देनजर अकादमी के आसपास सुरक्षा व्यवस्था चाक-चौबंद की गई थी। चप्पे-चप्पे पर सेना के सशस्त्र जवान तैनात थे। अकादमी परिसर के बाहरी क्षेत्र में सुरक्षा का जिम्मा दून पुलिस ने संभाला। परेड के दौरान सुबह साढ़े छह बजे से दोपहर साढ़े 12 बजे तक पंडितवाड़ी से लेकर प्रेमनगर तक जीरो जोन रहा तथा पुलिस प्रशासन ने यातायात डायवर्ड कर रखा था। घंटाघर से आईएमए के लिए व प्रेमनगर से घंटाघर के लिए वाहनों का प्रवेश वर्जित कर रखा था।

केदारनाथ धाम में थार के दुरुपयोग पर हंगामा

विशेष संवाददता

देहरादून। केदारनाथ धाम में सामान्य यात्रियों को घुमाये जाने के मामले ने अब तूल पकड़ लिया है भले ही मुख्य सचिव राधा रतूड़ी ने इस मामले की जांच के आदेश देते हुए यह स्पष्ट कर दिया है कि जिस भी अधिकारी की अनुमति से ऐसा किया गया है उसके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। लेकिन अब कांग्रेस नेता प्रीतम ने तो केदारनाथ धाम में धार में जाने के निर्णय को ही बेतुका बताया है।

उल्लेखनीय है कि सोशल मीडिया पर केदारनाथ धाम में सामान्य यात्रियों को थार से घुमाये जाने का वीडियो वायरल होने से हड़कंप मचा हुआ है। पर्यटन विभाग द्वारा बीमार और दिव्यांग श्रद्धालुओं की मदद के लिए दो थार यहां केदारनाथ भेजे गए थे किंतु उनके दुरुपयोग के मामले की एक तस्वीर सामने आने से बीकेटीसी की कार्यशैली पर सवाल खड़े हो गए। उत्तराखंड शासन ने इस पर सख्त ऐसा एक्शन लिया जरूर है लेकिन कब जांच होगी और कब करवाई होगी यह तो पता नहीं लेकिन कांग्रेस नेता प्रीतम सिंह ने इसे लेकर गंभीर आपत्ति जताई है। प्रीतम सिंह का कहना है कि क्या केदारनाथ धाम में पेट्रोल से संचालित होने वाले वाहन भेजे जाने चाहिए थे? सरकार ने यहां बैटरी कार भेजने की बजाय पेट्रोल की कार भेज दी गई जो धाम के पर्यावरण को भी खराब करेगी। साथ ही उन्होंने कहा कि थार ड्राइविंग के लिए एक उपयुक्त गाड़ी है लेकिन इसमें बीमार और दिव्यांग व्यक्तियों को तो चढ़ा उतार पाना भी मुश्किल बात है दो दरवाजे होने के कारण यह कतई

❑थार दिव्यांग व बीमारों के लिए उपयुक्त नहीं: प्रीतम
❑केदार धाम में पेट्रोल वाहनों से पर्यावरण को होगा नुकसान

▶▶ शेष पृष्ठ 7 पर

'कांग्रेस सांसद चाहते हैं, राहुल गांधी बनें नेता प्रतिपक्ष'

नई दिल्ली। लोकसभा चुनाव के परिणाम घोषित होने के बाद आज दिल्ली में कांग्रेस कार्यसमिति की दिल्ली में बैठक हुई। इस बैठक में तमाम नवनिर्वाचित सांसदों ने हिस्सा लिया। राहुल गांधी, प्रियंका गांधी, सोनिया गांधी और मल्लिकार्जुन खड़गे सीडब्ल्यूसी की बैठक में शामिल होने के लिए पहुंचे। अधिकांश सांसद चाहते हैं कि इस बार राहुल गांधी नेता प्रतिपक्ष की जिम्मेदारी निभाएं। दरअसल इस बार सबसे बड़ी विपक्षी पार्टी होने के नाते कांग्रेस नेता को आधिकारिक तौर पर नेता प्रतिपक्ष का दर्जा मिल जाएगा। कांग्रेस ने इस चुनाव में 99 सीटें जीती हैं और नेता प्रतिपक्ष बनने के लिए सबसे बड़े विपक्षी दल के पास कम से कम कुल सीटों की संख्या 10% यानी 55 सीट होनी चाहिए। अब इस पद के लिए कांग्रेस नेता राहुल गांधी को सबसे बड़ा दावेदार माना जा रहा है और पार्टी के अंदर से भी आवाज उठ रही है कि राहुल गांधी को ही नेता प्रतिक्ष की कमान संभालनी चाहिए।

इंडिया ब्लॉक ने नीतीश कुमार को दिया था पीएम पद का ऑफर!

नई दिल्ली। नरेंद्र मोदी कल भारत के प्रधानमंत्री के रूप में लगातार तीसरी बार शपथ लेने जा रहे हैं। उनके साथ नई बनने वाली केंद्रीय मंत्रिपरिषद के सदस्य भी पद एवं गोपनीयता की शपथ लेंगे। हालांकि, लोकसभा चुनाव 2024 के नतीजे आने के बाद जब देश की जनता ने किसी एक पार्टी को स्पष्ट जनादेश नहीं दिया तो विपक्षी गठबंधन इंडिया ब्लॉक की ओर से भी केंद्र में सरकार बनाने के भरपूर प्रयास किए गए थे। इसका खुलासा जेडीयू के वरिष्ठ नेता केसी त्यागी ने किया है।

जेडीयू के महासचिव केसी त्यागी ने कहा है कि इंडिया ब्लॉक की तरफ से नीतीश कुमार को पीएम पद का ऑफर दिया गया था। उन्होंने एक निजी चैनल

को दिए गए इंटरव्यू में कहा कि सीएम नीतीश कुमार ने इंडिया ब्लॉक से आए इस ऑफर को ठुकरा दिया है। वो एनडीए के साथ बने रहेंगे।

जब उनसे पूछा गया, क्या अंदरखाने इंडिया ब्लॉक की ओर से केंद्र में सरकार बनाने के प्रयास किए जा रहे थे और इसके लिए उनके द्वारा जेडीयू से संपर्क किया गया है, इस सवाल के जवाब में केसी त्यागी ने कहा, हमारे नेता नीतीश कुमार ने किसी भी ऐसी पेशकश को सिरे से नकार दिया है। वरना प्रपोजल तो यहां तक आए हैं कि नीतीश जी प्रधानमंत्री हो जाएं। और ऐसे प्रपोजल उन लोगों की ओर से आ रहे हैं, जिन्होंने नीतीश कुमार को इंडी गठबंधन का संयोजक बनाने तक से इनकार कर दिया था। हम इसके जन्मदाता थे। हमने कांग्रेस पार्टी की पॉलिटिकल अनटचेबिलिटी खत्म की। अखिलेश यादव, अरविंद केजरीवाल, ममता बनर्जी, ये कांग्रेस के साथ मंच शेयर करने को तैयार नहीं थे। जेडीयू नेता केसी त्यागी ने आगे कहा, जिस तरीके का व्यवहार हमारे नेता और हमारी पार्टी के साथ हुआ, उसी का नतीजा था कि हम इंडी गठबंधन से बाहर आए और एनडीए जॉइन किया। इतिहास गवाह है कि उस दिन से ही फिजा बनी शुरू हो गई।

दून वैली मेल

संपादकीय

सवाल: मोदी सरकार कब तक

नरेंद्र मोदी कल 9 जून को तीसरी बार देश के प्रधानमंत्री बनने जा रहे हैं लेकिन इस बार वह भाजपा के मोदी के रूप में प्रधानमंत्री नहीं बन रहे हैं, वह एनडीए के प्रधानमंत्री होंगे। भले ही वह तीसरी बार प्रधानमंत्री बन रहे हैं लेकिन यह पहली बार हो रहा है कि जब वह बिना अपने सहयोगियों को विश्वास में लिए कोई बड़ा फैसला नहीं ले सकेंगे, और उन्हें अपनी कार्यशैली में बड़ा बदलाव लाना पड़ेगा। जो उनके लिए आसान नहीं होगा। दूसरी उनकी एक बड़ी समस्या यह होगी कि भाजपा और संघ में अब उनकी इन चुनाव नतीजों के बाद वैसी स्वीकार्यता नहीं रही है जैसे कि पिछले 10 सालों में रही है। भले ही मोदी को सर्वसम्मति से संसदीय दल का नेता चुन लिया गया हो लेकिन न सिर्फ सांसदों को अपितु संघ को भी अब मोदी प्रधानमंत्री के रूप में स्वीकार्य नहीं है। भाजपा नेता नितिन गडकरी से लेकर गठबंधन के सहयोगी जेडीयू नेता नीतीश कुमार और टीडीपी नेता नायडू तक कोई भी उन्हें अब पीएम बनाए जाने को लेकर संतुष्ट नहीं है। खास बात यह है कि विपक्षी इंडिया गठबंधन भी मोदी और शाह की सत्ता को अस्वीकार कर रहा है तथा चारों तरफ से इस तरह की आहटें आ रही है कि मोदी की जगह किसी अन्य व्यक्ति को प्रधानमंत्री बनाया जाना चाहिए। लेकिन इसके साथ ही यह भी सच है कि मोदी को ही मुखिया बनाने के लिए उनकी एक लाबी काम पर लगी हुई है। जिसकी सोच है कि मोदी के अलावा अन्य कोई भी नहीं। कल इसी गहमा गहमी के बीच मोदी पीएम पद की शपथ लेकर तीन बार पीएम बनने का इतिहास रचने के लिए ललाहित है। जेडीयू और टीडीपी ने उनके सामने कुछ अहम मंत्रालयों से लेकर लोकसभा स्पीकर पद तक की मांग रख दी है अब कल मंत्रिमंडल गठन और मंत्रियों को दिए जाने वाले मंत्रालय के बाद ही पता चल सकेगा कि किसको इस सरकार में कितनी प्राथमिकता मिल पाती है। इस वक्त तो मोदी सिर्फ नीतीश, नायडू और चिराग के इर्द-गिर्द ही घूम रहे हैं जबकि जयंत चौधरी और जीतन राम मांझी जैसे अन्य तमाम नेता स्वयं को उपेक्षित किए जाने से अत्यंत ही आहत दिख रहे हैं। जिन हालातो में इस बार मोदी सत्ता संभालने जा रहे हैं उसमें वह सहयोगियों के साथ कितना सामंजस्य साध पाने में सफल रहते हैं। लेकिन अब तक जिस मनमाने अंदाज में मोदी काम करते रहे हैं उनके लिए यह कतई भी आसान नहीं होगा। मोदी यह भी अच्छे से जानते हैं कि अब वह जिस सत्ता की नाव पर सवार होने जा रहे हैं वह हवा का एक तेज झोंका भी बर्दाश्त नहीं कर सकती है। सहयोगियों पर पल भर का भी भरोसा नहीं किया जा सकता है 5 साल तो बहुत दूर की बात है। आज अगर तमाम लोग इस सरकार के भविष्य को लेकर सवाल खड़े कर रहे हैं तो वह बेवजह नहीं है। खबर तो यहां तक आ रही है कि भाजपा के कई नेता मोदी को फिर पीएम बनाने से इतने नाराज हैं की पार्टी छोड़कर इंडिया गठबंधन के पाले में जा सकते हैं। मोदी की यह कमजोर सरकार बन भले ही जाए लेकिन अपने पूरे कार्यकाल में टिकी रहेगी इसका भरोसा खुद मोदी को भी नहीं है जो सरकार को लेकर तथा अपनी सरकार के द्वारा बड़े फैसले और कड़े फैसलों का दावा कर रहे हैं।

ट्रेडिंग के नाम पर ठगे सवा लाख रुपये, मुकदमा दर्ज

संवाददाता

देहरादून। ट्रेडिंग के नाम पर सवा लाख रूपये ठगने के मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार विष्णु विहार कालोनी अजबपुर कला निवासी राजकिरण बैखाण ने नेहरू कालोनी थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसको 26 मई 2024 को मोबाइल से व्हटसएप मैसेज आया जिसमें उसने अपना नाम प्रिया बताया और ट्रेडिंग के संबंध में उससे बात करी एवं उसको एक 'टेलीग्राम' लिंक भेजा फिर उसने टेलीग्राम लिंक ओपन करी और 'अनीशा' नाम की लड़की से ट्रेडिंग के संबंध में बात हुई और उसने स्वंय को वेजीरेक्स टेक्नोलॉजी प्रा. लि. कम्पनी से बताया और फिर उस लड़की ने एक लिंक भेजा और उस पर रेटिंग करने को कहा फिर उसने उस लिंक को ओपन करके रेटिंग दी फिर उसको अगला टास्क दिया गया और पैसे ट्रासफर करने को कहा गया और उसने पैसे ट्रासफर कर दिए फिर अनीशा नाम की लड़की ने टेलीग्राम पर रिहान मलहोरा नाम के लड़के का लिंक भेजा और फिर अलग-अलग टास्क दिये गये और उन टास्क को पूरा करने के लिए पैसे मांगे गए फिर उसको यूपीआई-आईडी देकर पैसे ट्रासफर करने को कहा गया जो उसने कुल 1,25,488 रूपये दे दिये जिसके बाद उसको पता चला कि उसकी साथ ठगी हुई है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

इमं जीवेभ्य: परिधिं दधामि मैषां नु गादपरो अर्थमेतम्।
शतं जीवन्तु शरद: पुरूचीरन्तर्मृत्युं दधतां पर्वतेन।।
(ऋग्वेद १०-१८-४)

परमेश्वर मनुष्य के लिए सीमा बांधते हैं कि प्रत्येक मनुष्य अपने स्वास्थ्य का ख्याल रखें और सौ से अधिक वर्षों तक जीवन जीये। अपने गुणों के पर्वत द्वारा मृत्यु को जीवन से दूर रखे। सदैव प्रसन्नचित रहे।

पहाड़ी शैली में निर्मित हो रहा उत्तराखण्ड निवास

संवाददाता

नई दिल्ली। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने निर्माणाधीन उत्तराखण्ड निवास का निरीक्षण कर कार्यदायी संस्था को जुलाई माह तक कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिये।

❑मुख्यमंत्री ने माह जुलाई तक उत्तराखण्ड निवास तैयार करने के दिए निर्देश

आज यहां मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने निर्माणाधीन 'उत्तराखण्ड निवास' का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान मुख्यमंत्री ने कार्यदायी संस्था को निर्देशित करते हुए कहा कि कार्य की गुणवत्ता को बनाए रखते हुए माह जुलाई तक कार्य को पूर्ण किया जाए। इसके साथ ही मुख्यमंत्री ने चारधाम यात्रा मार्ग में राज्य अतिथि गृह बनाने के भी निर्देश दिए। उल्लेखनीय है कि उत्तराखण्ड निवास में पहाड़ी शैली की झलक देखने को मिलेगी। मुख्यमंत्री ने निरीक्षण के दौरान उत्तराखण्ड निवास के निर्माण कार्य में लगे श्रमिकों से बातचीत भी की।

निरीक्षण के दौरान मुख्यमंत्री के साथ सूचना महानिदेशक बंशीधर तिवारी, स्थानिक आयुक्त अजय मिश्रा, विशेष कार्याधिकारी रंजन मिश्रा सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

लक्ष्मी राणा बनी परिषद की महानगर अध्यक्ष

संवाददाता

देहरादून। राष्ट्रीय अनुसूचित जाजि जनजाति विकास परिषद के अध्यक्ष ने लक्ष्मी राणा को महिला महानगर अध्यक्ष मनोनीत किया।

आज यहां राष्ट्रीय अनुसूचित जाति जनजाति विकास परिषद उत्तराखंड की प्रदेश अध्यक्ष प्रेम सिंह के आवास देहरादून में बुलाई गई। जिसमें लोगो को संगठन के बारे में बताया और संगठन के उद्देश्य क्या है इसकी जानकारी दी गई ओर सभी लोगो अपने अपने विचार व्यक्त किए इसके साथ संगठन का विस्तार करते हुए अनिल शर्मा को प्रदेश उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया। लक्ष्मी राणा को महिला महानगर अध्यक्ष बनाया गया, सर्वेशवरी को महिला महानगर उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया, सचिन कुमार को ध र्मपुर विधानसभा अध्यक्ष बनाया गया, और सागर को जिला उपाध्यक्ष पद पर नियुक्त किया गया। संगठन के राष्ट्रीय सचिव गीताराम जायसवाल ने कहा कि उत्तराखंड में संगठन को यशपाल आर्य का आशीर्वाद प्राप्त है। जायसवाल ने कहा कि यह संगठन समाज के लोगो को एक साथ लेकर काम करेगा और समाज की समस्याओ को उठाने का काम करेंगे ओर बाबा साहब का पैगाम जन जन तक पहुचाने का कार्य करेगे। लोगो की समस्या को सुनकर उनका समाधान करने का काम यह संगठन करेगा। कार्यक्रम में उपस्थित मुख्य रूप राष्ट्रीय अनुसूचित जाति जनजाति विकास परिषद के राष्ट्रीय सचिव जी आर जायसवाल, प्रदेश अध्यक्ष प्रेम सिंह, प्रदेश महासचिव जयपाल सिंह, प्रदेश सचिव राकेश बर्मन, अनिल शर्मा, सागर, देवा, लक्ष्मी राणा, सचिन कुमार, मीडिया प्रभारी, सोनू सहगल, सर्वेश्वरी आदि लोग उपस्थित रहे।

निवेश के नाम पर ठगे पौने दो करोड रुपये, मुकदमा दर्ज

संवाददाता

देहरादून। निवेश के नाम पर पौने दो करोड रूपये की ठगी करने के मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जसनकारी के अनुसार बसंत विहार निवासी डॉ. राजेश मित्तल ने बसंत विहार थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि 14 दिसंबर 2023 को, उसको एक निवेशक समूह में शामिल होने के लिए उसके व्हाट्स एप पर एक आमंत्रण मिला। वह इन्वेस्टर एलायंस नामक समूह में शामिल हो गया। यह समूह 10 मई 2023 में सक्रिय था। उस समय इस में 273 से अधिक सदस्य थे। हर रोज शाम 7 बजे उनको कुणाल सिंह का व्याख्यान मिलता था, जो समूह के प्रमुख थे। एक मिस इशिता सिंह थीं जो सहायक थीं और वह टेलीग्राम ऐप के माध्यम से सभी समूह सदस्यों से जुड़ रही

▶▶ शेष पृष्ठ 7 पर

दो अंतर्राज्यीय वाहन चोर गिरफ्तार, नौ दुपहिया वाहन बरामद

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। दुपहिया वाहन चोरी मामलों का खुलासा करते हुए पुलिस ने दो अंर्तराज्यीय वाहन चोरो को गिरफ्तार कर लिया है। जिनकी निशानदेही पर चुराये गये नौ दुपहिया वाहन भी बरामद हुए है।

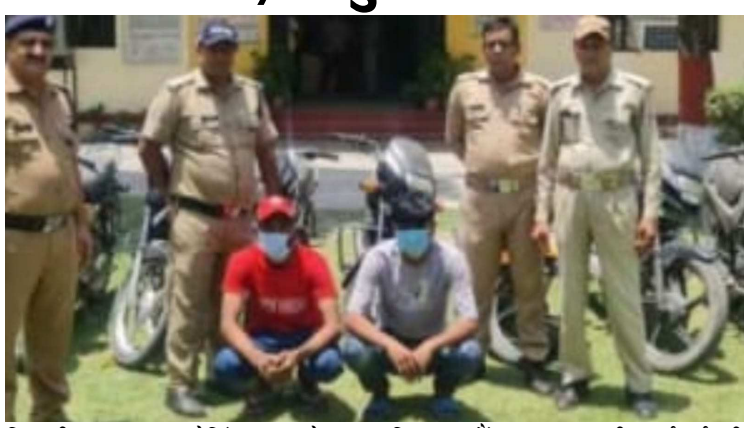

बता दें कि हरिद्वार के इंडस्ट्रियल एरिया, सिडकुल व आसपास क्षेत्र से पिछले कुछ समय से दोपहिया वाहन चोरी की शिकायतें लगातार मिलने पर एसएसपी प्रमेन्द्र सिंह डोबाल ने कड़ा रुख इख्तियार करते हुए एसपी सिटी समेत संबंधित प्रभारियों को निर्देशित किया था। जिस पर कोतवाली प्रभारी विजय सिंह के नेतृत्व में पुलिस टीमों ने अलग-अलग क्षेत्र में छानबीन करते हुए आरोपियों की धर पकड़ के लिए जाल बिछाया। जिसके बाद पुलिस टीम ने चेकिंग करते हुए चोरी की बाइक के साथ दानिश उर्फ सोनू और आरिफ निवासीगण दादूपुर गोविंदपुर, सलेमपुर को गिरफ्तार कर उनकी निशानदेही पर सिडकुल, हरिद्वार नगर व पानीपत हरियाणा से चुराकर ग्राम दादुपुर के खाली प्लाटों में झाडियों के अन्दर छुपा कर रखी गईं 8 अन्य मोटर साइकिलें भी बरामद की गईं है। पुलिस के अनुसार गिरफ्तार आरोपी दानिश और आरिफ को रानीपुर पुलिस ने इसी साल बाइक चोरी के मामले में गिरफ्तार कर जेल भेजा था और उनके खिलाफ गैंगस्टर एक्ट की कार्रवाई भी की गई थी। लेकिन थोड़े दिन बाद जमानत पर छूट कर बाहर आने के बाद उन्होंने दोगुनी रफ्तार से वाहन चोरी की वारदातों को अंजाम देना शुरू कर दिया था। दोनों आरोपी नशे के आदी हैं और लत पूरी करने के लिए वाहन चोरी की घटनाओं को अंजाम देते हैं। दोनों आपस में दोस्त हैं एक शटरिंग का काम करता है तो दूसरा बाइक मैकेनिक है।

वैश्विक ऊंचाई पर भारतीय खिलौना कारोबार

डॉ। जयंतीलाल

व्यापार एवं उद्योग मंत्रालय द्वारा हालिया प्रकाशित रिपोर्ट के मुताबिक, भारत के खिलौना उद्योग ने वित्त वर्ष 2014-15 से 2022-23 के बीच तेज प्रगति की है। इस अवधि में निर्यात में 239 प्रतिशत की भारी वृद्धि हुई, जबकि आयात में 52 प्रतिशत तक की कमी आयी। इससे यह रेखांकित होता है कि 'मेक इन इंडिया' अभियान से भारत का खिलौना उद्योग वैश्विक ऊंचाई पर है। इस अभियान ने चीन को झटका देते हुए खिलौना निर्माण को भारत के लिए फायदे का सौदा साबित कर दिया है। चीन से खिलौनों की खरीदारी करने वाले कई देश अब भारत का रुख कर रहे हैं। यह कोई छोटी बात नहीं हैं क्योंकि कोई एक दशक पहले खिलौनों की भारत से मुश्किल से ही किसी तरह की खरीद होती थी। इस समय हैस्ब्रो, मैटल, स्पिन मास्टर और अर्ली लर्निंग सेंटर जैसे खिलौने के वैश्विक ब्रांड आपूर्ति के लिए भारत पर अधिक निर्भर हैं। इटली की दिग्गज कंपनी ड्रीम प्लास्ट, माइक्रोप्लास्ट और इंकास आदि भी अपना ध्यान चीन से हटाकर भारत पर केंद्रित कर रही हैं। पांच-छह वर्ष पहले तक भारत खिलौनों के लिए दूसरे देशों पर निर्भर था और 80 फीसदी से अधिक खिलौने चीन से आयात किये जाते थे। विभिन्न सर्वेक्षणों में लगातार कहा जा रहा था कि चीन से आयातित दो-तिहाई खिलौने असुरक्षित थे। उनमें सीसा, कैडमियम और बेरियम जैसे असुरक्षित तत्व पाये गये थे।

भारतीय खिलौना उद्योग की बहुत कम समय में हासिल ऐसी सफलता की कभी किसी ने कल्पना तक नहीं की थी। भारत का खिलौना निर्यात पांच-छह वर्षों में तेजी से बढ़कर 2,600 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया है। भारत से अमेरिका, ब्रिटेन, यूरोपीय संघ, ऑस्ट्रेलिया, यूएइ, दक्षिण अफ्रीका सहित कई देशों को खिलौने निर्यात किये जा रहे हैं। इस समय भारतीय खिलौना उद्योग का कारोबार करीब 1।5 अरब डॉलर का है, जो वैश्विक बाजार हिस्सेदारी का 0।5 फीसदी मात्र है, पर जिस तरह इस उद्योग को प्रोत्साहन दिया जा रहा है, उससे इसके इसी वर्ष तीन अरब डॉलर तक होने की संभावना है। इस बढ़ोतरी के कई कारण हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बार-बार देश के लोगों से स्वदेशी भारतीय खिलौने खरीदने, घरेलू डिजाइनिंग सुदृढ़ बनाने, भारत को खिलौनों के लिए एक वैश्विक विनिर्माण हब बनाने की अपील की है। बिक्री के लिए भारतीय मानक ब्यूरो (बीआइएस) की मंजूरी जरूरी होना, संरक्षणवाद, चीन-प्लस-वन रणनीति और मूल सीमा शुल्क बढ़ाकर 70 प्रतिशत करने जैसे उपायों से खिलौना उद्योग में तेजी आयी है। बीआइएस ने घरेलू निर्माताओं को 1,200 से अधिक लाइसेंस और विदेशी निर्माताओं को 30 से अधिक लाइसेंस प्रदान किये हैं।

सरकार के प्रयासों से भारतीय खिलौना उद्योग के लिए अधिक अनुकूल विनिर्माण परितंत्र बनाने में मदद मिली है। वर्ष 2014 से 2020 तक की अवधि में विनिर्माण इकाइयों की संख्या दोगुनी हो गयी, जबकि आयातित वस्तुओं पर निर्भरता 33 प्रतिशत से घटकर 12 प्रतिशत हो गयी। वर्तमान में सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम (एमएसएमइ) मंत्रालय 19 खिलौना उत्पादन केंद्रों की मदद कर रहा है तथा वस्त्र मंत्रालय 13 केंद्रों को डिजाइनिंग करने और जरूरी साधन मुहैया कराने में सहयोग कर रहा है। स्वदेशी खिलौनों को बढ़ावा देने और नवाचार को प्रोत्साहित करने के लिए कई प्रचार पहल भी की गयी हैं, जिनमें इंडियन टॉय फेयर 2021, टॉयकैथॉन आदि शामिल हैं। विदेश व्यापार महानिदेशालय ने घटिया स्तर के खिलौनों के आयात पर अंकुश लगाने के लिए प्रत्येक आयात खेप का नमूना परीक्षण अनिवार्य कर दिया है। वर्ष 2014-15 के बाद से इस बार के अंतरिम बजट तक में लगातार सरकार ने खिलौना उद्योग के विकास के लिए प्रत्यक्ष व अप्रत्यक्ष रूप से प्रोत्साहन और समर्थन देने की पहल की है। खिलौना उद्योग को देश के 24 प्रमुख सेक्टरों में स्थान दिया गया है।

मेक इन इंडिया और आत्मनिर्भर भारत की नीतिगत पहलों के साथ-साथ घरेलू निर्माताओं के प्रयासों से भारतीय खिलौना उद्योग में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। पर अभी भी कई बाधाएं हैं। भारतीय खिलौना उद्योग में विकास को बढ़ावा देने के लिए रणनीतिक कार्य योजना, संबंधित एजेंसियों के बीच उपयुक्त तालमेल व चीन की तरह देश में खिलौने के विशेष आर्थिक क्षेत्र बनाने की जरूरत है। खिलौनों पर जीएसटी दर में कटौती की जानी चाहिए। अधिकांश भारतीय खिलौने ई-कॉमर्स वेबसाइटों पर उपलब्ध होने चाहिए, ताकि घरेलू खिलौनों की बिक्री बढ़ सके। पारंपरिक और यांत्रिक खिलौनों के लिए उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन योजना शीघ्र शुरू की जाए। सुगठित खिलौना प्रशिक्षण और डिजाइन संस्थान की स्थापना को मूर्त रूप देना होगा। बैंकों से ऋण तथा वित्तीय सहायता संबंधी बाधाओं को दूर करना होगा। हम उम्मीद करें कि सरकार देश को खिलौनों का वैश्विक हब बनाने और खिलौनों के वैश्विक बाजार में चीन को अधिक टक्कर देने की डगर पर आगे बढ़ेगी। घरेलू बाजार के सस्ते और गुणवत्तापूर्ण खिलौनों से बच्चों के चेहरों पर मुस्कुराहट बढ़ेगी। अधिक निर्यात से विदेशी मुद्रा की कमाई के साथ-साथ रोजगार के मौके भी तेजी से बढ़ेंगे।

(ये लेखक के निजी विचार हैं।)

हृदय रोगी एक्सरसाइज करते समय इन बातों का रखें ध्यान, वरना बढ़ सकती है परेशानी

हृदय रोगियों के रोजाना तरह-तरह की एक्सरसाइज करने से गंभीर बीमारियों का खतरा कम हो सकता है। हालांकि यह तभी मुमकिन है जब हृदय रोगी सही ढंग से और कुछ सावधानियों को ध्यान में रखते हुए एक्सरसाइज करें। जी हां, हृदय रोगियों के लिए एक्सरसाइज के दौरान की गई एक छोटी सी गलती भी परेशानी का कारण बन सकती है। आइए जानते हैं कि हृदय रोगियों को एक्सरसाइज करते समय किन-किन बातों का खास ध्यान रखना चाहिए।

आइसोमेट्रिक एक्सरसाइज न करें

अगर आप हार्ट स्ट्रोक या फिर हार्ट अटैक से ग्रस्त हैं तो भूल से भी अपने वर्कआउट रूटीन में पुशअप्स और सिटअप्स जैसी आइसोमेट्रिक एक्सरसाइज को शामिल न करें। दरअसल, आइसोमेट्रिक एक्सरसाइज से मांसपेशियों पर दबाव पड़ता है जिसकी वजह से आपको हृदय रोग के साथ-साथ कई तरह की अन्य समस्याओं का सामना भी करना पड़ सकता है। इसलिए गंभीर स्थितियों वाले लोगों को आइसोमेट्रिक एक्सरसाइज का अभ्यास करने से बचना चाहिए।

सामान्य तापमान में ही करें एक्सरसाइज

हृदय रोगियों को ऐसी जगह पर एक्सरसाइज करनी चाहिए जहां का तापमान न ज्यादा हो और न ही कम। दरअसल, अगर हृदय रोगी बहुत अधिक गर्मी या फिर अधिक ठंड में एक्सरसाइज करते हैं तो इसके कारण उन्हें सांस लेने में दिक्कत और सीने में दर्द जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। इसलिए अगर आप हृदय से जुड़ी किसी बीमारी से ग्रस्त हैं तो सामान्य तापमान वाली जगह पर ही एक्सरसाइज करें।

ज्यादा वजन उठाने वाली एक्सरसाइज करने से बचें

हृदय रोगियों को ज्यादा वजन उठाने वाली एक्सरसाइज भी नहीं करनी चाहिए क्योंकि इस एक्सरसाइज से भी मांसपेशियों पर जोर पड़ता है जिसकी वजह से उनकी समस्या बढ़ सकती है। इसलिए डॉक्टर भी हृदय रोगियों को ज्यादा वजन वाली एक्सरसाइज न करने की सलाह देते हैं। वहीं अगर किसी भी तरह की एक्सरसाइज के दौरान आपको अपने हार्टबीट में बदलाव महसूस होता है तो तुरंत एक्सरसाइज छोड़ दें और 15 मिनट आराम करके हृदय की धड़कन को जरूर चेक करें।

हृदय से जुड़ी कोई भी सर्जरी होने पर न करें एक्सरसाइज

अगर आपकी हाल ही में हृदय रोग से जुड़ी कोई सर्जरी हुई है तो कुछ समय तक किसी भी तरह की एक्सरसाइज और योगासन का अभ्यास करने से बचें। बेहतर होगा कि सर्जरी के बाद आप कम से कम छह हफ्तों तक बिल्कुल भी एक्सरसाइज या योगाभ्यास न करें और इसकी बजाय रोजाना सुबह या शाम कुछ मिनट टहलें। हालांकि इस बात का ध्यान रहे कि ज्यादा टहलना भी ऐसी स्थिति में खतरनाक हो सकता है।

फिलिस्तीन को तीन यूरोपीय देशों के समर्थन के मायने

महेश चन्द्र शर्मा

हाल ही यूरोपीय महाद्वीप के तीन देशों- नार्वे, आयरलैंड और स्पेन ने फिलिस्तीन को एक देश के रूप में मान्यता देने का फैसला किया, जो कि अपने आप में एक ऐतिहासिक घटना है। बताया जा रहा है कि इस पर 28 मई को औपचारिक मुहर लगा दी जाएगी। अब यह जाहिर होने लगा है कि फिलिस्तीन के मुद्दे पर अब दुनिया की सोच में बदलाव आ रहा है। ऐसे में इजरायल का नाराज होना स्वाभाविक है। लिहाजा उसने इसका कड़ा विरोध जताया है। इसके पीछे यह प्रमुख वजह रही है कि अब तक यह देश, इजरायल के करीबी मित्र रहे हैं। इजरायल ने इन देशों से अपने राजदूतों को बुला लिया है। प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने इन देशों के राजदूतों को बुलाकर अपना विरोध जताया है।

इजरायली विदेश मंत्री इजरायल कैट्ज ने ट्विीट कर कहा कि-'मैं आयरलैंड और नॉर्वे को स्पष्ट संदेश भेज रहा हूं। इजरायल उन लोगों के आगे नहीं झुकेगा जो उसकी संप्रभुता को कमजोर कर रहे हैं। हम चुप नहीं बैठेंगे। इस फैसले से दुनिया में यह संदेश गया है कि आतंकवाद को इनाम मिलता है। दूसरी ओर फिलिस्तीन के राष्ट्रपति महमूद अब्बास ने इसका स्वागत करते हुए अन्य देशों से भी ऐसे ही समर्थन देने की अपील की है। वहीं, हमास के एक वरिष्ठ नेता बारोम नईम ने इस फैसले को एक निर्णायक मोड़ बताते हुए कहा कि फिलिस्तीनी लोगों के कड़े प्रतिरोध की वजह से ही ऐसा हो पाया है। नार्वे के प्रधानमंत्री जानस गारस्तर के अनुसार-'फिलिस्तीन देश को मान्यता देकर अरब क्षेत्र में शांति स्थापित हो सकती है। आयरलैंड के प्रधानमंत्री साइमन हैरिस ने कहा कि यह स्पेन और नॉर्वे के साथ उठाया गया कदम है। स्पेन के प्रधानमंत्री पेड्रो सांचेज ने कहा- 'उनका देश 28 मई को फिलिस्तीन को देश के तौर पर मान्यता देगा। वे यह भी मानते हैं कि इससे इजरायल के साथ राजनयिक तनाव पैदा होने की आशंका है। यहां बता दें कि सत्ताईस देशों वाले यूरोपीय संघ के सात सदस्य देश ऐसे हैं जो आधिकारिक तौर पर पहले ही फिलिस्तीन को मान्यता देते हैं। इनमें पांच वे हैं जिन्होंने इस संघ में शामिल होने से पहले वर्ष 1988 में ही मान्यता देने की घोषणा कर दी थी, जैसे कि साइप्रस ने। वर्ष 2014 में स्वीडन ने मान्यता दी थी। वर्ष 1988 दौरान ही पूर्व चैकोस्लोवाकिया ने भी इसे मान्यता दी थी। लेकिन अब चेक गणराज्य के गठन के बाद उसका कहना है कि यह फैसला उस पर लागू नहीं होता। इसी तरह स्लोवाकिया ने भी अभी नहीं बताया है कि वह पूर्व मान्यता का हिस्सा है या नहीं। माल्टा और स्लोवेनिया का कहना है कि वे इसका अनुसरण कर सकते हैं। लेकिन किसी भी प्रमुख पश्चिमी शक्ति ने अभी ऐसे कोई संकेत नहीं दिए हैं। दरअसल, यूरोप के अनेक देश आज भी इजरायल के इतने बड़े समर्थक हैं कि उन्होंने अभी तक फिलिस्तीन को मान्यता नहीं दी है। कहीं न कहीं इन देशों का यह विश्वास रहा है कि एक न एक दिन फिलिस्तीन या गाजा की जमीन पर इजरायल का पूरा कब्जा हो जाएगा।

हालांकि अभी इस बात का अधिक महत्व भी नहीं, लेकिन तीन यूरोपीय देशों से मिली फिलिस्तीन को मान्यता किसी अहम उपलब्धि से कम भी नहीं है। इस सोच को भी अब बल मिलने लगा है कि फिलिस्तीन के संघर्ष को अब अंतरराष्ट्रीय वैधता मिल जानी चाहिए। हाल ही संयुक्त राष्ट्र महासभा और सुरक्षा परिषद की बैठकों में 143 देशों ने फिलिस्तीन की मान्यता के प्रस्ताव के समर्थन में मतदान किया है। धारणा यह भी है कि इस बदलाव को जमीनी स्तर पर लाने का बहुत कम प्रभाव पड़ेगा। फिलहाल शांति वार्ता भी रूकी हुई है। इजरायल की कट्टरपंथी सरकार भी फिलिस्तीनी राज्य के दर्जे के खिलाफ अपनी कमर कसे हुए है। इस बीच इजरायल के राष्ट्रीय सुरक्षा मंत्री इतामर वेज-गिर ने अल-अक्सा मस्जिद परिसर का दौरा किया जिसे यहूदी अपना टेंपल कहते हैं। यह स्थल यहूदियों और मुस्लिमों के बीच सदैव विवाद की जड़ रहा है।

इन तीन देशों की ओर से लिए फैसलों से उम्मीद जगने लगी है कि आने वाले समय में यह जमीनी स्तर पर उतरकर हकीकत के रूप में दिखाई देगा। सिर्फ यही नहीं, इस फैसले से यह भी तो संभव है कि इजरायल, रफाह पर सैन्य कार्यवाही के फैसले पर अब पुनर्विचार करे। ताकि युद्धग्रस्त क्षेत्र में नागरिकों को होने वाली संभावित भारी क्षति को रोका जा सके। प्रभावित क्षेत्र में अधिक मानवीय सहायता पहुंचाने के लिए इजरायल अनुमति देने को प्रेरित हो जाए। ऐसी स्थितियां बनती हैं, तो उनका स्वागत इसलिए होना चाहिए कि इससे युद्ध से उपजी अशांति और अनिश्चितता का दौर थमेगा। पश्चिमी एशिया में शांति की उम्मीद जगेगी।

बच्चों में निवेश एक स्मार्ट निवेश है

ओंकार नाथ त्रिपाठी

हमें डेवलपमेंट प्रोफेशनल के रूप में काम करते हुए बहुत से बच्चों से मिलने का मौका मिलता है। उनसे बातचीत के दौरान हमने अनुभव किया है कि सभी बच्चों के अंदर एक सपना होता है और वे उन्हें पूरा करना चाहते हैं। बच्चों के लिए, चाहे वे किसी भी परिवार या आर्थिक पृष्ठभूमि से आते हों, यह महत्वपूर्ण है कि उन्हें सरकारी कार्यक्रमों एवं योजनाओं से जोड़ा जाए ताकि उन्हें शिक्षा, स्वास्थ्य और विकास हेतु आवश्यक सहायता और सुविधा प्राप्त हो सके, जिससे उन्हें बेहतर भविष्य सुनिश्चित करने में सहयोग मिल सके। अध्ययन से पता चलता है कि बच्चों पर किया गया खर्च व निवेश एक स्मार्ट निवेश के रूप में परिणाम देता है और इसका लाभ बच्चों के साथ-साथ पूरे समुदाय और देश को भी मिलता है। जब सरकार बच्चों में निवेश करती है, तो इससे स्वास्थ्य और शिक्षा के संकेतक बेहतर होते हैं, आय बढ़ती है, अर्थव्यवस्था सुधरती है और समाज संपन्न बनता है। ऐसे लाभों के बावजूद, दुनिया के कई हिस्सों में बच्चों के स्वास्थ्य और शिक्षा पर होने वाला सार्वजनिक खर्च स्थिर है।

सौभाग्य से झारखंड में ऐसी स्थिति नहीं है। झारखंड सरकार द्वारा हाल में प्रस्तुत 2024-25 के बजट में बच्चों एवं महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए सराहनीय प्रतिबद्धता प्रदर्शित की गयी है। इस बजट में महिला एवं बच्चों के विकास के लिए अहम आवंटन के माध्यम से समाज के कमजोर वर्गों के उत्थान के लिए सक्रिय कदम उठाया गया है। बजट में की गयी पहलों में आंगनवाड़ी चलो अभियान महत्वपूर्ण है। इसके माध्यम से बच्चों के प्रारंभिक विकास और सतत ग्रामीण विकास पर ध्यान केंद्रित किया गया है।

सरकार ने गरीबों के लिए मुफ्त दाल एवं नमक वितरण का प्रावधान करने के साथ-साथ सरकारी कर्मचारियों के लिए बच्चों की देखभाल हेतु छुट्टी सहित अन्य पहलों की शुरुआत की है। बच्चों के स्वास्थ्य पर होने वाले खर्च में 68 प्रतिशत की बढ़ोतरी की गयी है। इसमें से 72 प्रतिशत राशि प्रजनन एवं बाल स्वास्थ्य तथा सिस्टम को मजबूत करने के लिए लचीले फंड के रूप में उपलब्ध कराया गया है। बच्चों को अपनी शिक्षा जारी रखने हेतु प्रोत्साहित करने के लिए मुख्यमंत्री विशेष छात्रवृत्ति योजना के आवंटन में सुधार किया गया है। प्राथमिक शिक्षा की छात्रवृत्ति राशि को दोगुना किया गया है तथा उच्च प्राथमिक शिक्षा हेतु छात्रवृत्ति राशि में 130 प्रतिशत की वृद्धि की गयी है। बच्चों के पोषण और स्वस्थ आहार को सुनिश्चित करने के लिए आंगनवाड़ी दीदियों के माध्यम से बच्चों को अंडे और फल उपलब्ध कराने का निर्णय लिया है। स्कूलों में पूरक पोषण कार्यक्रम के आवंटन में लगभग 500 प्रतिशत की उल्लेखनीय वृद्धि की गयी है।

इस वर्ष बाल बजट की शुरूआत मील का पत्थर है। बाल बजट विवरण (विवरण-12, 2024-25) के अनुसार, कुल योजना परिव्यय में से पिछले दो वर्षों में बच्चों के लिए बजट आवंटन में 6।2 प्रतिशत की वृद्धि की गयी है। इस बजट के लिए यह राशि 8866।69 करोड़ रुपये है। कुल 216 योजनाओं में से 80 योजनाओं को विशेष रूप से बाल केंद्रित योजनाओं के रूप में चिह्नित किया गया है और बालिकाओं की योजनाओं पर विशेष ध्यान दिया गया है। इनमें से 11 योजनाएं विशेषकर बालिकाओं के लिए चिह्नित की गयी हैं। इनके आवंटन में 15 प्रतिशत राशि की बढ़ोतरी की गयी है। यह वृद्धि बालिका नकद हस्तांतरण योजना- सावित्रीबाई फुले किशोरी समृद्धि योजना- का भी परिणाम है, जो ग्रामीण परिवारों की प्रत्येक लड़की को उनकी शिक्षा जारी रखने और बाल विवाह को रोकने में सहायता करती है। यह पहल लैंगिक साक्षरता अंतर, उच्च कक्षाओं में लड़कियों की पढ़ाई छोड़ने की दर कम करने, लैंगिक समानता सुनिश्चित करने तथा एसडीजी-5 के लक्ष्य को प्राप्त करने की दिशा में भी एक सकारात्मक कदम है।

हमें ध्यान रखना होगा कि कई बार सार्वजनिक संसाधन सबसे अधिक जरूरतमंद बच्चों तक नहीं पहुंच पाता है। कुछ स्थानों पर नीति निर्माता बच्चों को सुरक्षित एवं स्वस्थ वातावरण में बढ़ने और सीखने के लिए आवश्यक धन आवंटित करने में विफल रहते हैं। सार्वजनिक वित्त की प्रबंधन की कमी का असर बच्चों के स्वास्थ्य देखभाल, शिक्षा और अन्य सेवाओं की गुणवत्ता या उनकी पहुंच सुनिश्चित करने पर पड़ता है। इसलिए केवल आवंटन पर्याप्त नहीं है, बल्कि प्रभावी कार्यान्वयन भी महत्वपूर्ण है। यूनिसेफ बच्चों के कल्याण कार्यों के प्रति अपनी दृढ़ प्रतिबद्धता सुनिश्चित करने हेतु सरकार द्वारा बच्चों के लिए किये जाने वाले कार्यों में अपना सहयोग और समर्थन देता है ताकि बाल अधिकारों को प्राथमिकता देकर बच्चों एवं जेंडर आधारित बजटिंग को बढ़ावा मिले और सरकारी नीतियों के केंद्र में बच्चों को लाया जा सके। झारखंड का बजट लक्षित पहल और पर्याप्त वित्तीय आवंटन के माध्यम से महिला एवं बाल विकास को प्राथमिकता देकर एक सकारात्मक पहल को दर्शाता है। समाज को सशक्त बनाकर हम ऐसा वातावरण बना सकते हैं, जिसके माध्यम से महिलाएं एवं बच्चे आगे बढ़ें। आइए, हम अपनी प्रतिबद्धताओं का उपयोग झारखंड में महिलाओं एवं बच्चों के जीवन में ठोस परिवर्तन लाने के लिए करें ताकि सभी के लिए उज्जवल भविष्य का मार्ग प्रशस्त हो सके। (ये लेखक के निजी विचार हैं)

वैधानिक सूचना

सुविज्ञ पाठकों से आग्रह है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन में दिए गए तथ्यों, शर्तों और दावों के प्रति वह खुद भी आश्वस्त हो लें। पाठकों से आग्रह है कि वह प्रकाशित विज्ञापन से प्रभावित होकर कोई कदम उठाने से पहले अपने स्तर पर भी स्वयं के संतुष्ट होने तक संपूर्ण व्यावहारिक जानकारी कर लें। भविष्य में किसी भी प्रकाशित विज्ञापन व लेख में निहित दावों या शर्तों को लेकर पाठकगण को कोई असुविधा या परेशानी होती है तो *सांध्य दैनिक दून वैली मेल* के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की कोई जवाबदेही नहीं होगी।

—प्रबंधक विज्ञापन

दौड़ने के बाद जोड़ो में होता है दर्द?

अगर आप रोजाना 10 से 15 मिनट के लिए दौड़ते हैं तो इस एक्सरसाइज से शरीर की अतिरिक्त चर्बी कम करने, मांसपेशियों का निर्माण करने और हृदय को स्वस्थ रखने जैसे कई लाभ मिल सकते हैं।हालांकि, अक्सर आपको दौड़ के बाद अपने जोड़ों में दर्द होता है तो हो सकता है कि आप अनजाने में कुछ गलतियां कर रहे हैं।आइए आज हम आपको दौड़ से जुड़ी कुछ सामान्य गलतियों और उनसे बचने के तरीके बताते हैं।

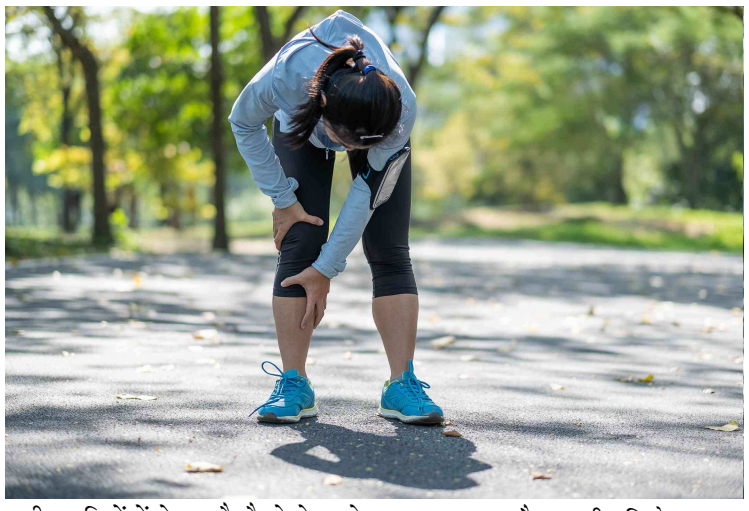

सही रनिंग शूज न पहनना

अगर रनिंग शूज ठीक नहीं होगें तो आपके जोड़ों में दर्द होना स्वाभाविक है।हमेशा पैर की सबसे बड़ी उंगली और चुने गए जूते में आधे से एक इंच का अंतर होना चाहिए ताकि उन्हें पहनने पर पैरों में लडख़ड़ाहट न हो।दरअसल, दौड़ते समय पैर का पंजा आगे की ओर मुड़ता है और तभी हमें जूते के भीतर कुछ अतिरिक्त स्थान की आवश्यकता होती है।इसके अलावा जूतों का वजन हल्का होना चाहिए और उसकी सोल मुलायम।

वार्मअप और कूल डाउन एक्सरसाइज न करना

दौड़ लगाने वालों के लिए यह सबसे बड़ी गलतियों में से एक है।दौडने से पहले वार्मअप करने से मांसपेशियों में ब्लड सर्कुलेशन बढ़ाने में मदद मिलती है और शरीर में लचीलापन भी आता है, जिससे किसी भी एक्सरसाइज का जोड़ों पर दबाव नहीं पड़ता।इसी तरह दौडने के बाद कूल डाउन एक्सरसाइज करना जरूरी है। यह शरीर के तापमान को सामान्य करने, हृदय गति में सुधार करने जैसे लाभ दे सकती हैं।

दौड़ते समय एकदम से गति बढ़ाना

दौड़ते समय एकदम से गति बढ़ा देना भी एक बड़ी गलती है, जिससे जोड़ों में दर्द हो सकता है।शरीर को किसी भी एक्सरसाइज और उसकी गति के अनुकूल होने में समय लगता है और अगर आप अचानक से अपने भागने की गति बढ़ा देते हैं तो यह आपके जोड़ों पर अत्यधिक दबाव डाल सकता है।हमेशा दौड़ते समय धीर-धीरे गति बढ़ाना ही शरीर के लिए फायदेमंद होता है।

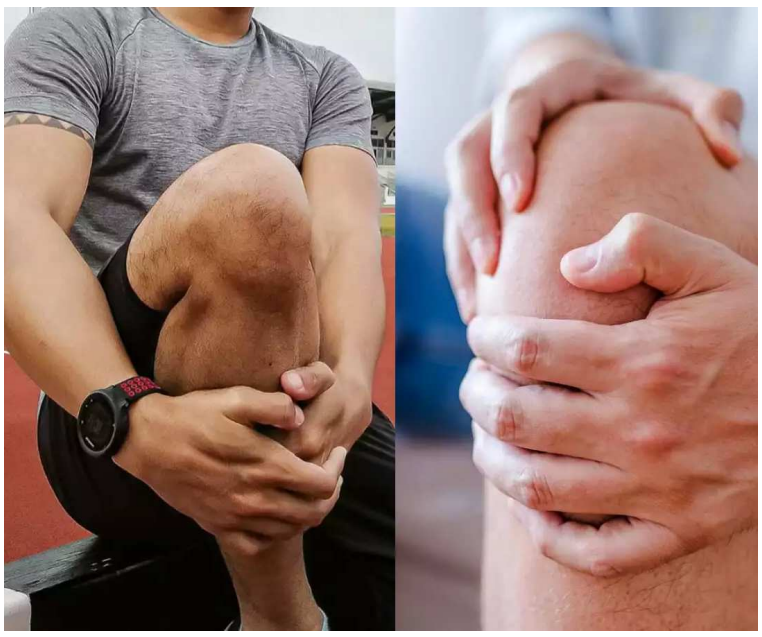

स्ट्रेंथ ट्रेनिंग न करना

कई धावक केवल अपने दौडने पर ध्यान देते हैं, लेकिन जब जोड़ों के दर्द को रोकने की बात आती है तो यह भी एक बड़ी गलती हो सकती है।स्ट्रेंथ ट्रेनिंग मजबूत मांसपेशियों के निर्माण में मदद करती है, जो जोड़ों को सहारा देकर स्थिर रख सकती है।अगर आप स्ट्रेंथ ट्रेनिंग को नजरअंदाज करते हैं तो इससे मांसपेशियों में असंतुलन और कमजोरी हो सकती है, जो जोड़ों में दर्द का कारण बन सकती है।

ऊबड़-खाबड़ और कठोर सतहों पर दौडना़

ऊबड़-खाबड़ और कठोर सतहों पर दौडने से भी जोड़ों में दर्द हो सकता है क्योंकि इससे पैरों का संतुलन बिगड़ता है, जिससे जोड़ों पर दबाव पड़ता है।इसलिए दौडने के लिए हमेशा ऐसी जगह का चयन करें, जो खुली होने के साथ-साथ घास या रेतीली हो।इसके लिए मैदान या पार्क जैसी जगहें बेहतरीन हैं, जहां के आसपास की हरियाली आपकी आंखों को भी आराम पहुंचा सकती है। (आरएनएस)

शब्द सामर्थ्य -105

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. समाप्ति, खात्मा 3. रोगी, बीमार 5. गंभीरता, गहराई 6. बलपूर्वक, जबरदस्ती, व्यर्थ 9. लानत, तिरस्कार सूचक एक शब्द 10. लक्ष्मी, कमला 11. औषधालय 13. नाव खेने का लकड़ी का यंत्र 14. सतह, 'लेवल' 15. बिजली, तड़ित 17. चौकसी, सावधानी, बचाव 19. कहने वाला, वाचनकर्ता 20. सुंदर, अच्छा, बढ़िया 21. लगातार, तड़-तड़ करते हुए।

ऊपर से नीचे

1. शरीर का कोई भाग, शरीर 2. खोज-बीन, जांच-पड़ताल 3. वोट देने का हक 4. जो अत्यधिक शक्तिशाली व कठोर प्रकृति का हो, दृढ़, मजबूत 7. बरसात, पावस, बारिश 8. भरना, अटना, अंदर करना 12. घटना, हादसा, दुर्घटना 13. लिबाज़, पहनने का ढंग 16. नीला वस्त्र पहने वाला, नीला वस्त्र 17. ऐक्य, एक होने का भाव 18. दिल्ली स्थिति प्रसिद्ध जेल।

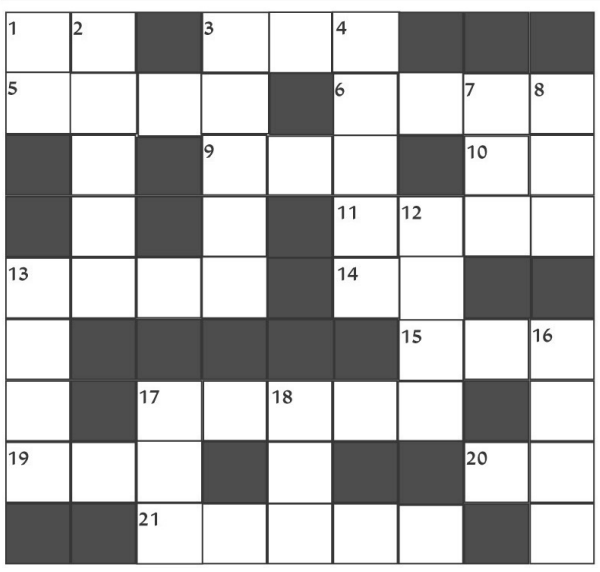

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 104 का हल

वा	स्ता			सि	स	की		
जि		ल	प	ट		मा	चि	स
ब	द	ला		क			ल	
		ट		नी	ल	क	म	ल
ता	ली		का		की			हू
क		स	रो	का	र			लु
झां		ज	बा	न		म	सी	हा
क	च	ना	र		भा	र्या		न
	र्म			ज	र	दा		

दर्शकों पर रोमांस का जादू चलाने को तैयार सिद्धार्थ-रकुल प्रीत

कमल हासन की बहुप्रतीक्षित फिल्म इंडियन 2 का दर्शकों को बेसब्री से इंतजार है। शंकर शनमुगम के निर्देशन में बन रही फिल्म में प्रशंसक सेनापति के रूप में कमल हासन को बड़े पर्दे पर वापस देखने के लिए उत्सुक हैं। जैसे-जैसे फिल्म की रिलीज नजदीक आ रही है, निर्माता फैंस का उत्साह बढ़ाने के लिए इंडियन 2 की जानकारियां साझा कर रहे हैं।

फिल्म को लेकर निर्माताओं ने अब नई जानकारी साझा की है। इससे पहले फिल्म के पहले गाने ने दर्शकों का खूब मनोरंजन किया था। वहीं अब फिल्म का दूसरा गाना भी जल्द ही दर्शकों के बीच धमाल मचाने वाला है। यह एक रोमांटिक गाना होगा, जिसमें सिद्धार्थ और रकुल प्रीत सिंह नजर आएंगे। इंडियन 2 के निर्माताओं ने अपने सोशल मीडिया पेज पर चार भाषाओं में आधिकारिक पोस्टर साझा किए। पोस्टर से फिल्म में सिद्धार्थ और रकुल प्रीत सिंह के बीच रोमांटिक रिश्ते का संकेत मिला।

लाइका प्रोडक्शंस के आधिकारिक एक्स (ट्विटर) पेज ने नए पोस्टर साझा किए। पोस्टर के साथ कैप्शन में लिखा, एक सिम्फनी खिलने वाली है। रॉकस्टार अनिरुद्ध संगीतमय इंडियन-2 का दूसरा सिंगल 29 मई को रिलीज हो रहा है। बह जाने के लिए तैयार हो जाइए। पोस्टर में सिद्धार्थ और रकुल प्रीत एक दूसरे के सामने किसी कैफे में बैठे हुए हैं। सिद्धार्थ हाथ में अंगूठी पकड़े हुए नजर आ रहे हैं, वहीं रकुल गुस्से में नजर आ रही हैं। रिपोर्ट्स के अनुसार, सिद्धार्थ इंडियन 2 में एक ऐसे व्यक्ति की भूमिका निभा रहे हैं, जो भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ रहा है। निर्देशक शंकर की इंडियन 2 साल 1996 में सिनेमाघरों में रिलीज हुई फिल्म इंडियन का सीक्वल है। वहीं बात करें फिल्म के कलाकार के बारे में तो इसमें कमल हासन के साथ काजल अग्रवाल, रकुल प्रीत सिंह, प्रिया भवानी शंकर, सिद्धार्थ, समुथिरकानी, बॉबी सिम्हा, ब्रह्मानंदम और अन्य महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। फिल्म का निर्माण लाइका प्रोडक्शंस और रेड जाइंट मूवीज ने मिलकर किया है। अनिरुद्ध रविचंदर ने धुनें बनाई हैं। इंडियन 2 12 जुलाई को तीन भाषाओं में सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए तैयार है। (आरएनएस)

करण जौहर ने धडक़ 2 का किया ऐलान, सिद्धांत चतुर्वेदी और तृप्ति डिमरी लीड रोल में आएंगे नजर

करण जौहर ने अपकमिंग रोमांटिक इमोशनल ड्रामा फिल्म धडक़ 2 का पहला क्लासिकल मोशन पोस्टर सोशल मीडिया पर शेयर कर दिया है। इस पोस्टर को पोस्ट करते हुए फिल्म की कहानी को लेकर भी हिंट दी गई है। फिल्म मेकर करण ने धडक़ 2 की स्टार कास्ट और रिलीज डेट को लेकर भी नई अपडेट शेयर की है। पिछले कुछ समय से इसके सीक्वल को लेकर दर्शकों के बीच खूब चर्चा हो रही थी। इस बीच अब जाह्नवी कपूर और ईशान खट्टर की धडक़ का सीक्वल की रिलीज डेट आ चुकी है। ये फिल्म लोगों को इतनी पसंद आई थी कि वह इसके दूसरा पार्ट का इंतजार कर रहे थे।

करण जौहर ने अपने इंस्टाग्राम प्रोफाइल पर अपकमिंग फिल्म धडक़ 2 की घोषणा करते हुए बताया है कि इस फिल्म में सिद्धांत चतुवेर्दी और तृप्ति डिमरी लीड रोल में नजर आने वाले हैं। बता दें कि दोनों को पहली बार एक-दूसरे के साथ स्क्रीन पर रोमांस करते देखा जाएगा। इस फिल्म का मोशन पोस्टर लोगों को बहुत पसंद आ रहा है। फिल्म धडक़ 2 की पहली झलक शेयर कर दी गई है जो एक एनिमेटेड रोमांटिक वीडियो है।

करण जौहर ने धडक़ 2 की रिलीज डेट का भी खुलासा किया है। सिद्धांत चतुवेर्दी और तृप्ति डिमरी की अपकमिंग फिल्म सिनेमाघरों में 22 नवंबर 2024 को रिलीज होने के लिए पूरी तरह से तैयार है। वहीं इस बार धडक़ 2 की प्रेम कहानी बहुत अलग होने वाली है। इस फिल्म की कहानी का खुलासा हो चुका है। करण जौहर ने पोस्ट शेयर करते हुए लिखा, यह कहानी है थोड़ी अलग क्यूंकि एक था राजा, एक थी रानी, जात अलग थी... खत्म कहानी।

सिद्धांत चतुवेर्दी और तृप्ति डिमरी की धडक़ 2 का निर्माण करण जौहर की होम प्रोडक्शन धर्मा मूवीज करेगी। इस फिल्म में अधूरी प्रेम कहानी दिखाई जाएगी। इस फिल्म का निर्देशन शाजिया इकबाल करेंगी। बता दें, जाह्नवी कपूर और ईशान खट्टर स्टारर धडक़ 2016 में रिलीज हुई थी। यह मराठी फिल्म सैराट का हिंदी रीमेक थी। इस फिल्म से जाह्नवी कपूर ने अपना बॉलीवुड डेब्यू भी किया था। (आरएनएस)

मैं ऐसे माहौल में पली-बढ़ी हूं, जिन्होंने मेरी अच्छे और बुरे की पहचान को बढ़ाया है: नेहा

एक्ट्रेस नेहा शर्मा अक्षय ओबेरॉय के साथ इल्लीगल के तीसरे सीजन में नजर आई। उन्होंने कहा कि वह ऐसे कई लोगों को जानती हैं, जो बीच की राय रखते हैं, लेकिन उनके माता-पिता ने उन्हें इस तरह से बड़ा किया कि वह चीजों के बुरे और अच्छे की पहचान कर सकती हैं।

सीजन-3 के बारे में बोलते हुए नेहा ने कहा, इस सीजन में निहारिका एक नए रूप में नजर आएंगी। बेशक, आपको अभी भी पुरानी निहारिका की झलक दिखेगी, लेकिन, अब जब उन्होंने पुनीत के साथ अपनी खुद की कंपनी बनाई है, तो वह बदल गई हैं।

हम उनमें और जेजे (जनार्दन जेटली) के बीच कुछ ऐसी चीजें देखते हैं, जो दोनों में एक जैसी हैं। दोनों के लक्ष्य बदल गए हैं। वह इस सीजन में कई दिलचस्प मामले उठाती है, जो सभी वास्तविक जीवन की घटनाओं से प्रेरित हैं।

एक्ट्रेस ने आगे कहा, मैं ऐसे माहौल में पली-बढ़ी हूं, जिन्होंने मेरी अच्छे और बुरे की पहचान को बढ़ाया है। मैं ऐसे कई लोगों को जानती हूं, जो बीच की राय रखते हैं, लेकिन, मेरे माता-पिता ने मुझे इस तरह बड़ा किया कि मैं चीजों को या तो अच्छा या फिर बुरे के रूप में पहचान सकती हूं।

मैं इस सीजन में निहारिका से खुद को जोड़ नहीं पा रही हूं, क्योंकि वह बहुत बार ऐसे जोन में चली जाती है, जिनकी बीच की राय है। हालांकि, मैं निहारिका के कैरेक्टर के लिए हमारे लेखकों और निर्देशक की मंशा को समझती हूं और इसे जरुरी मानती हूं।

नेहा एक महत्वाकांक्षी वकील निहारिका की भूमिका निभाती हैं, जिसने हाल में अपनी खुद की फर्म खोली है। उसका लक्ष्य दिल्ली में सबसे अच्छा वकील बनना है। (आरएनएस)

बॉक्स ऑफिस पर मनोज बाजपेयी की फिल्म भैया जी का हाल-बेहाल

मनोज बाजपेयी की फिल्म भैया जी को बीते शुक्रवार यानी 24 मई को सिनेमाघरों में रिलीज किया गया था।इस फिल्म से निर्माताओं को काफी उम्मीदें थीं, लेकिन यह शुरुआत से बॉक्स ऑफिस पर दर्शकों के लिए तरस रही है।वीकेंड पर ठीक-ठाक कमाई करने के बाद अब कामकाजी दिनों में भैया जी का दैनिक कारोबार लाखों में सिमट गया है।अब भैया जी की कमाई के आंकड़े सामने आ गए हैं, जो बेहद निराशाजनक हैं।

इसका कुल बॉक्स ऑफिस कलेक्शन 5.85 करोड़ रुपये हो गया है।भैया जी ने 1.35 करोड़ रुपये के साथ बॉक्स ऑफिस पर धीमी शुरुआत की थी।वीकेंड पर इस फिल्म की कमाई में उछाल आया और दूसरे दिन यह 1.75 करोड़ रुपये कमाने में सफल रही।तीसरे दिन इस फिल्म ने 1.85 करोड़ रुपये कमाए।

भैया जी का निर्देशन अपूर्व सिंह कार्की ने किया है। वह इससे पहले मनोज की फिल्म सिर्फ एक बंदा काफी है का निर्देशन भी कर चुके हैं।इस फिल्म के जरिए मनोज ने बतौर निर्माता अपनी शुरुआत की है।विनोद भानुशाली, कमलेश भानुशाली, समीक्षा ओसवाल, शैल ओसवाल और विक्रम खाखर जैसे सितारों ने भी इस फिल्म में अपनी अदाकारी का तडक़ा लगाया है।भैया जी इसलिए खास है, क्योंकि 30 साल के करियर में यह मनोज की 100वीं फिल्म है।

मालविका मोहनन ने अपने वेस्टर्न लुक से इंटरनेट पर कहर मचाया

साउथ इंडस्ट्री की खूबसूरत हसीना मालविका मोहनन हमेशा अपनी खूबसूरती के कारण सोशल मीडिया पर चर्चाओं का विषय बनी रहती हैं। एक्ट्रेस जब भी अपनी तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो फैंस अक्सर उनके लुक्स पर अपना दिल हार जाते हैं। हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने वेस्टर्न लुक से इंटरनेट पर कहर बवाल मचा दिया है। इन तस्वीरों में उनका कातिलाना अंदाज देखकर लोग दीवाने हो गए हैं।

एक्ट्रेस मालविका मोहनन साउथ इंडस्ट्री की हसीन अदाकाराओं में से एक हैं। उनका हर एक लुक सोशल मीडिया पर आते ही वायरल होने लगता है।

हाल ही में एक्ट्रेस मालविका मोहनन ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट के दौरान की कुछ तस्वीरें फैंस के बीच साझा की हैं। इन तस्वीरों में उनका बेहद सेक्सी अंदाज देखकर फैंस के होश उड़ गए हैं।

इन तस्वीरों में आप देख सकते हैं एक्ट्रेस मालविका मोहनन ने येलो कलर की बॉडीकॉन ड्रेस पहनी हुई है, जिसमें वो अपना परफेक्ट फिगर फ्लॉन्ट करती हुई नजर आ रही हैं।

ओपन हेयर और सटल बेस मेकअप कर के एक्ट्रेस मालविका मोहनन ने अपने आउटलुक को कंप्लीट किया है। उनकी ये कातिल अदाएं फैंस के दिलों पर खंजर चला रही हैं।

बता दें कि एक्ट्रेस मालविका मोहनन अक्सर अपने लुक्स से फैंस के बीच बवाल मचाती रहती हैं। उनका हर एक अंदाज फैंस को काफी पसंद आता है।

मलाविका मोहनन जब भी अपनी तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो फैंस उनकी तस्वीरों पर जमकर लाइक्स और कॉमेंट्स करते हैं। हालांकि इन तस्वीरों पर भी कुछ ऐसा ही देखने को मिल रहा है। एक्ट्रेस सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। मालविका मोहनन को इंस्टाग्राम पर लाखों यूजर्स फॉलो करते हैं।(आरएनएस)

ऋषि सुनक का जोखिम भरा आखिरी दांव

शिवकांत

ब्रिटेन के पहले भारतवंशी प्रधानमंत्री ऋषि सुनक ने अमेरिकी स्वाधीनता दिवस चार जुलाई के दिन आम चुनाव कराने की घोषणा कर सबको चौंका दिया है। चुनाव में संभावित हार से भयभीत उनकी कंजर्वेटिव पार्टी के कई सांसद सकते में हैं और नाराज हैं। लंबे अरसे से चुनाव की मांग कर रही विपक्षी लेबर पार्टी को भी हैरानी हुई है।

इसका मुख्य कारण यह है कि प्रधानमंत्री सुनक और उनकी पार्टी लोकमत सर्वेक्षणों में विपक्ष के नेता किएर स्टॉमर और उनकी लेबर पार्टी से 20-22 अंक पीछे चल रहे हैं। लोकप्रियता में इतना पीछे रहते हुए किसी प्रधानमंत्री ने समय से पहले चुनाव कराने का जोखिम नहीं उठाया है। उनकी पार्टी को उम्मीद थी कि वे 25 अक्तूबर को अपने कार्यकाल के दो साल पूरे करने के बाद क्रिसमस से पहले चुनाव करायेंगे।

वर्तमान संसद का कार्यकाल 17 दिसंबर को पूरा होने वाला था, जिसके बाद 25 दिनों के भीतर चुनाव कराये जा सकते थे। इससे उनकी सरकार की आर्थिक नीतियों को सकारात्मक प्रभाव दिखाने के लिए छह महीने का समय और मिल सकता था। इसलिए अधिकतर लोग पहले चुनाव कराने के प्रधानमंत्री सुनक के फैसले को उनके आखिरी दांव के रूप में देख रहे हैं। उन्नीस माह के कार्यकाल में उनका कोई दांव नहीं लग पाया।

महंगाई दर नीचे आने के बावजूद चीजों के दाम 2021 की तुलना में करीब 20 प्रतिशत ऊपर हैं, इसलिए लोगों को आर्थिक तंगी से राहत महसूस नहीं हो रही है। केंद्रीय बैंकों द्वारा ब्याज दरें बढ़ाने के बावजूद महंगाई में उतनी गिरावट नहीं आयी है कि जिससे आश्वस्त होकर बैंक अपनी ब्याज दरें घटाना शुरू करें। ऊर्जा संकट कम तो हुआ है, पर यूक्रेन और गाजा के युद्धों की वजह से उसके लौटने का खतरा बना हुआ है। कोविड महामारी पर हुए खर्च से बिगड़े बजट को काबू में लाने के लिए सार्वजनिक खर्चों में की जा रही कटौती से स्वास्थ्य, देखभाल, शिक्षा, समाज कल्याण और बुनियादी सुविधाओं के रखरखाव पर दबाव बढ़ रहा है, जिससे लोग नाराज हैं।

नौकाओं से ब्रिटिश चैनल पार कर अवैध रूप से आने वाले शरणार्थियों की संख्या गर्मियों में बढ़ जाती है, जिसकी वजह से आप्रवासन में आया गिरावट का रुझान बदल सकता है। विपक्ष इसे चुनावी मुद्दा बना सकता था। वैसे भी प्रधानमंत्री सुनक के लिए लेबर पार्टी से कहीं बड़ा सिरदर्द उनकी अपनी कंजर्वेटिव पार्टी का ही वह दक्षिणपंथी खेमा रहा है, जो पूर्व प्रधानमंत्री लिज ट्रस और बोरिस जॉनसन का समर्थक था। उनके नेता चुने जाने के दिन से ही किसी न किसी बहाने से उनके खिलाफ पार्टी में बगावत भड़काने की कोशिशें चलती रही हैं। इसी महीने के आरंभ में हुए निकाय और महापौर चुनाव में पार्टी की करारी हार के बाद से इनमें और तेजी आ रही थी।

लगता है इन सारी संभावनाओं को देखकर और तमाम प्रयासों के बाद भी सरकार और पार्टी की तथा अपनी लोकप्रियता में कोई सुधार न होता देखकर ही प्रधानमंत्री ने जुआ खेला है। इस महीने की रिपोर्टों के मुताबिक महंगाई दर घटकर 2।3 प्रतिशत हो गयी है और अर्थव्यवस्था की गति भी अपेक्षा से अधिक है। बेरोजगारी रिकॉर्ड न्यून स्तर पर है और आप्रवासियों की संख्या में भी पिछले साले की तुलना में दस प्रतिशत की कमी आयी है। उन्हें लगता है कि यही वह घड़ी है, जिसमें वे हारती बाजी को पलट सकते हैं। यदि ऐसा हुआ, तो यह ब्रिटिश राजनीतिक इतिहास में सबसे बड़ा उलटफेर साबित होगा, जो सर्वेक्षणों पर भी गंभीर सवाल खड़े करेगा।

प्रधानमंत्री सुनक की चुनावी घोषणा के भाषण से लगता है कि वे मुख्यतया दो मुद्दों पर चुनाव लड़ना चाहते हैं- अर्थव्यवस्था को कोविड, ऊर्जा संकट और लिज ट्रस सरकार की 'कर्ज लेकर खर्च करो' की नीति से पैदा हुए महंगाई के संकट से निकाल कर विकास की पटरी पर लाने का उनका रिकॉर्ड तथा अवैध शरणार्थियों की बाढ़ रोकने के लिए उन्हें रुआंडा भेजने की योजना।

उनका दावा है कि विपक्ष के पास समाधान की कोई ठोस नीति नहीं है। उनके मुख्य प्रतिद्वंद्वी लेबर पार्टी नेता किएर स्टॉमर का कहना है कि ब्रिटेन के सारे संकटों के लिए कंजर्वेटिव पार्टी का 14 साल का कुशासन पूरी तरह जिम्मेदार है। अर्थव्यवस्था को ब्रेक्जिट से तबाह करने और पांच साल में चार प्रधानमंत्री बदलने वाली पार्टी को बदले बिना न अर्थव्यवस्था में सुधार आ सकता है और न स्थिर सरकार मिल सकती है। लगता है लेबर पार्टी बदलाव और स्थिरता के नारे पर ही चुनाव लड़ेगी।

वामपंथी रुझान के कारण लेबर पार्टी की छवि सरकारी विभागों में फिजूलखर्ची करने और उसके लिए पर टैक्स का बोझ बढ़ाने की रही है। इसलिए लेबर नेता स्वास्थ्य, शिक्षा, पर्यावरण, रक्षा और बुनियादी सुविधाओं के संकट की बातें तो करेंगे, लेकिन सुधार के लिए खर्च करने के वादों से बचते नजर आयेंगे। यहां सत्ता पक्ष हो या विपक्ष, वोट बटोरने के लिए मनचाहे लोकलुभावन वादे नहीं कर सकते। वादे करने से पहले उन्हें पूरा करने में लगने वाला पैसा कहां से आयेगा, इसका हिसाब देना पड़ता है। इसलिए यहां वामपंथी हो या दक्षिणपंथी, कोई पार्टी टैक्स बढ़ाकर खर्च करने की नहीं, कटौती और किफायत से बचा कर खर्च करने की बात करती है।

लेबर नेता स्टॉमर को यह भरोसा दिलाना होगा कि अर्थव्यवस्था के मामले में उनकी सरकार पर भरोसा किया जा सकता है। ऐसे में प्रधानमंत्री सुनक और उनकी पार्टी की उम्मीद का एक आधार लेबर पार्टी के नेतृत्व के खिलाफ उसके मुस्लिम और वामपंथी समर्थकों में फैला रोष भी हो सकता है, जो इस्राइल द्वारा गाजा विनाश को लेकर लेबर पार्टी के रवैये से नाराज हैं। ब्रिटेन में लगभग 41 लाख मुस्लिम रहते हैं, जो आबादी का लगभग 6। 3 प्रतिशत हिस्सा हैं। संसद की कुल 650 सीटों में से 80 से अधिक सीटों पर मुस्लिम वोट निर्णायक साबित हो सकता है। इनमें बहुत सी सीटें लंदन, बर्मिंघम, ब्रैडफर्ड, ब्लैकपूल, मैनचेस्टर और ग्लासगो जैसे शहरों में हैं।

परंतु लेबर पार्टी का नाराज मुस्लिम और वामपंथी वोट कंजर्वेटिव पार्टी की जगह लिबरल पार्टी या निर्दलीयों को मिलने की संभावना अधिक है। लेबर पार्टी में इस समय रिकॉर्ड संख्या में मुस्लिम सांसद हैं।

मोदी सरकार विरोधी और खालिस्तान समर्थक तत्वों का भी खासा प्रभाव है। इसलिए यदि लेबर सरकार बनती है, जिसकी संभावना प्रबल दिख रही है, तो भारत के लिए कूटनीतिक चुनौती खड़ी हो सकती है। लेबर पार्टी की सरकारों का रिकॉर्ड भारत के घरेलू और संवेदनशील मामलों में अनावश्यक बयानबाजी को लेकर बहुत अच्छा नहीं रहा है। बहरहाल, चुनाव निश्चित ही दिलचस्प होगा। (ये लेखक के निजी विचार हैं।)

सू- दोकू क्र.105

		3					7	
9				6		3		8
	7		9		5		6	
						1		9
3		8		7			5	
	1		3		9			7
		2		8		7		
	8				2		4	3
			1					

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक र सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.104 का हल

5	2	4	9	6	7	8	1	3
3	6	7	4	1	8	2	9	5
8	1	9	3	2	5	4	6	7
6	3	5	1	9	4	7	2	8
7	9	8	5	3	2	6	4	1
2	4	1	7	8	6	5	3	9
4	5	3	6	7	9	1	8	2
9	8	6	2	5	1	3	7	4
1	7	2	8	4	3	9	5	6

भीषण गरमी से लोग परेशान

देश के विभिन्न इलाकों में भीषण गरमी पडने से लोग परेशान हैं। दिल्ली, राजस्थान, मध्यप्रदेश, पंजाब व उत्तर प्रदेश में कई स्थानों पर 46-47 डिग्री तक पारा चला गया।

मौसम विभाग द्वारा अगले पांच दिनों तक लू चलने तथा भीषण गरमी पडने का अनुमान जताया है। हिमाचल प्रदेश जैसे पहाड़ी इलाके में भी गरमी बढ़ रही है। गुजरात के तटीय इलाकों में गर्मी और उमस बढ़ गई है। दिल्ली, चंडीगढ़, हरियाणा, पंजाब व राजस्थान के लिए रेड अलर्ट जारी किया गया है।

उप्र, बिहार व गुजरात ऑरेंज अलर्ट में हैं। 'कोढ़ में खाज' यह कि दिल्ली में वायु गुणवत्ता सूचकांक भी खराब हो गया है। कार्बन डाईऑक्साइड यानी प्रदूषण बढने से भी मौसम में शुष्कता बढ़ती जाती है। साथ ही राजस्थान से आने वाली हवाएं अभी दिल्ली को और भी झुलसाएंगी। अल नीनो तथा मजबूत सोलर आइसोलेसन के चलते तापमान लगातार बढ़ रहा है।

वैज्ञानिकों के अनुसार अलनीनो इफेक्ट मध्य व पूर्वी प्रशांत महासागर का तापमान सामान्य से बहुत ज्यादा हो जाता है। भीषण गरमी से जन-जीवन बुरी तरह प्रभावित हो जाता है। हालांकि बच्चों, बुजुगरे व बीमारों का ऐसे में विशेष ख्याल रखने को कहा जाता है, परंतु मौसम की इस मार से सतर्क रहने के हर किसी को प्रयास करने चाहिए।

इस भीषण गरमी के चलते लोगों को हीट स्ट्रोक का खतरा बढ़ रहा है। लू के चलते पेट संबंधी गड़बियां, तेज ज्वर, उल्टी-दस्त आम समस्या हैं।

काम के चलते लोगों को मजबूरी में घरों से बाहर निकलना ही पड़ता है। ऐसे में विशेषज्ञों की राय है कि वे खुद को अच्छी तरह लपेट कर, सिर को ढक कर और ढेर सारा पानी पीकर ही निकलें। लस्सी, शकिंजी, छाछ पीने तथा तरबूज, खरबूजा, खीरा, ककड़ी खूब खाने की सलाह भी दी जा रही है। कुल मिलाकर आम आदमी के लिए मौसम की मार से बचना लगभग नामुमकिन है। हालांकि ये विपदाएं प्राकृतिक हैं, इनसे सभी को जूझना है। मगर सरकारें चाहें तो दफ्तरों व सरकारी विभागों के काम के समय में परिवर्तन कर सकती हैं। जो या जहां संभव हो, घर से काम की व्यवस्था लागू हो। साथ ही निजी कंपनियों व बाजार को निर्देश जारी कर भोर व देर रात काम की व्यवस्था का आदेश जारी कर सकती हैं। मौसम के अनुरूप व्यवस्था करने के लिए धन से अधिक नैतिक संबल व संवेदनशीलता की जरूरत है।(आरएनएस)

सरकारी और निजी अस्पतालों में स्वास्थ्य सेवा की गुणवत्ता बेहतर हो

बीमार व्यक्ति बड़ी आशा लेकर अस्पताल जाता है कि उसका समुचित इलाज हो सकेगा। लेकिन अनेक अस्पताल अपनी कमाई बढ़ाने के लिए अनुचित तौर-तरीके अपनाते हैं, जो अनैतिक भी है और आपराधिक भी। ऐसी शिकायतों को देखते हुए अस्पतालों और स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं को मान्यता देने वाले राष्ट्रीय बोर्ड (एनएबीएच) ने लिखित चेतावनी दी है कि मान्यता हासिल करने और पैनलों में पंजीकृत होने के लिए अगर उन्होंने फर्जी या गलत दस्तावेज जमा किये, तो उनकी मान्यता रद्द की जा सकती है और उनके विरुद्ध कानूनी कार्रवाई की जा सकती है।

यह चेतावनी 15 मार्च को जारी की गयी थी, पर इसे 16 मई को सार्वजनिक किया गया। इस राष्ट्रीय बोर्ड का गठन 2005 में हुआ था और यह भारतीय गुणवत्ता परिषद की एक इकाई है। एनएबीएच के तहत चलने वाले मान्यता देने के कार्यक्रम का उद्देश्य यह है कि सरकारी और निजी अस्पतालों में स्वास्थ्य सेवा की गुणवत्ता बेहतर हो तथा रोगियों को अच्छा उपचार एवं सुरक्षा हासिल हो। बीते वर्षों में यह कार्यक्रम लगातार प्रभावी होता गया है तथा उसकी गणना वैश्विक स्तर के कार्यक्रमों एवं मानकों में होती है। एनएबीएच की चेतावनी में रेखांकित किया गया है कि अस्पतालों की गलत हरकतों और फर्जी दस्तावेजों के इस्तेमाल से मान्यता प्रक्रिया की दृढ़ता तथा बोर्ड के भरोसे को चोट पहुंच रही है।

ऐसी शिकायतों की संख्या बढ़ती जा रही है, जिनमें कहा जा रहा है कि अनेक अस्पताल अपने दावों से कमतर सेवा उपलब्ध करा रहे हैं तथा कई जगहों पर पर्याप्त संसाधन नहीं हैं। वे अपनी कमियों को छुपाते हैं और कमाई के लालच में रोगियों का शोषण करते हैं। कुछ समय पहले मशहूर अस्पतालों के बारे में जानकारी सामने आयी थी कि वे बाजार की तुलना में महंगे दामों पर दवाएं बेच रहे हैं। इस मामले में जांच भी हुई थी। एक संसदीय समिति ने अपनी रिपोर्ट में कहा था कि कोरोना काल में बिस्तर उपलब्ध होने के बावजूद कई निजी अस्पताल संक्रमित लोगों को भर्ती नहीं कर रहे थे। इसके अलावा, वे मनमर्जी से भारी फीस भी वसूल रहे थे।

आयुष्मान भारत स्वास्थ्य बीमा योजना में शामिल कई अस्पताल गलत खर्च दिखाने के लिए मामलों में चिह्नित एवं दंडित किये गये हैं। लेकिन यह भी सच है कि जितनी गंभीर गलती होती है, उतनी सजा नहीं मिलती। कुछ समय पहले भारत सरकार ने गहन चिकित्सा कक्ष में भर्ती को लेकर दिशा-निर्देश जारी किया है, जिससे अस्पतालों की मनमानी पर कुछ रोक लगी है। हाल में सर्वोच्च न्यायालय ने सरकार को फीस के बारे में नियमन करने का निर्देश देते हुए कहा था कि अगर सरकार ने इस संबंध में कुछ नहीं किया, तो अदालत ही फैसला करेगी। लोगों को भी सचेत एवं जागरूक रहने की आवश्यकता है।(आरएनएस)

कुख्यात नशा तस्कर 'चच्ची' गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

नैनीताल। नशे के खिलाफ चलाये जा रहे अभियान के तहत पुलिस को कल देर शाम खासी सफलता हाथ लगी हैं। पुलिस ने कुख्यात नशा तस्कर 'चच्ची' को गिरफ्तार कर उसके पास से 49 ग्राम स्मैक व 10.450 रूपये की नगदी बरामद की गयी है। मामला जनपद नैनीताल के काठ गोदाम क्षेत्र का है। मिली जानकारी के अनुसार बीती शाम थाना काठगोदाम व एसओजी टीम को सूचना मिली कि क्षेत्र की एक कुख्यात महिला नशा तस्कर नशीले पदार्थो की बड़ी खेप की डिलीवरी हेतू आने वाली है। सूचना पर कार्यवाही करते हुए पुलिस व एसआजी टीम द्वारा क्षेत्र में चैकिंग अभियान चला दिया। इस दौरान संयुक्त टीम को बागजला गौलापार से एक कुख्यात महिला नशा तस्कर शकीला उर्फ चच्ची पत्नी महबूब आती हुई दिखायी दी। टीम द्वारा जब उसे रोका गया तो वह सकपका कर भागने लगी। इस पर उसे घेर कर रोका गया। तलाशी के दौरान उसके पास से 49 ग्राम स्मैक व 10.450 हजार रूपये की नगदी बरामद हुई। पुलिस ने उसके खिलाफ एनडीपीएस एक्ट की धाराओं में मुकदमा दर्ज कर उसे न्यायालय में पेश किया जहां से उसे जेल भेज दिया गया है।

49 ग्राम स्मैक व हजारों की नगदी बरामद

लोन एप के नाम पर ब्लैकमेल करने पर मुकदमा दर्ज

संवाददाता

देहरादून। लोन एप के नाम पर ब्लैकमेल करने के मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार माण्डुवाला नया गांव निवासी युवती ने प्रेमनगर थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि 21 मई 24 क्योंकि उसको पैसों की जरूरत थी तो उसने लोन एप रजिस्ट्रर सर्च किये। पहले भी उसने आरबीआई रजिस्ट्रर एप से लोन लिये है और उसका भुगतान सही टाइम मे किया है। उसको फेसबुक से इसका क्रेडिट गुरू इंस्टेंट लोन एप का लिंक शो कर रहा था और उसे उसने अपने क्लीक करके अपनी जानकारी उसपे डाल दी। जैसे आधार कार्ड, पेन कार्ड सेलफी और अन्य चीजें इन्होंने अपने आप को आरबीआई रजिस्ट्रट बताया। इस पर उसने दो हजार रूपये को लोन एप्लाई किया जो कि उसने समय से चुका दिया। उसके बाद अलग-अलग नंबरो से उसको और उसके परिवार वालों को नग्न फोटो भेजने लगे और धमकी देने लगे अगर उसने पैसे नहीं वापस किये तो फोटो एडिट करके सोशल मीडिया और काटेक्ट में भेज देंगे। जिसके कारण में डर कर पैसे देते रही। फिर उसने चैक किया कि ये फ्रॉड एप है जो लोग लोन एपके नाम से धोखाधड़ी कर रहे है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

निवेश के नाम पर ठगे पौने दो करोड़... ◀◀ पृष्ठ 2 का शेष

थीं। कुणाल सिंह हमेशा कहते थे कि वे वह सभी को शेयरों में निवेश करके 300 प्रतिशत लाभ प्राप्त करने में मदद करेंगे और उन्हें अपने लाभ का 20 प्रतिशत उनकी धर्मार्थ गतिविधियों में देना चाहिए।

उन्हें शेयरों में व्यापार करने के लिए उनके साथ विशेषाधिकार खाते खोलने के लिए प्रोत्साहित किया गया था। एक बार जब उसने उनके साथ अपने विशेषाधि कार खाते में लाखों रुपये स्थानांतरित करने में अपनी रुचि दिखाई। उसने प्रिविलेज अकाउंट में 10 लाख रुपए और वीआईपी 1 अकाउंट में 40 लाख रुपए ट्रांसफर किए। ट्रेडिंग करते समय उसके अकाउंट में कुल राशि थी प्रिविलेज अकाउंट 22,33,373 और वीआईपी 1 अकाउंटमें 1,49, 18,514.00 रुपए। मुनाफे के बाद उसकी कुल गशि 1,71,51,887.00 हो गई। 21 फरवरी 2024 को उसने अपने अकाउंट से पैसे निकालने के लिए कहा तो उन्होंने टालमटोल करना और वाधा डालना शुरू कर दिया। धीरे-धीरे सभी एडमिन और असिस्टेंट इशिता सिंह चले गए और ग्रुप बंद हो गए। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

केदारनाथ धाम में धार के दुरुपयोग पर.. ◀◀ पृष्ठ 1 का शेष

भी उपयुक्त नहीं है इस मामले में भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र भट्ट ने भी कहा कि यह नियमों के उल्लंघन का गंभीर मामला है तथा अब इसकी जांच कराई जा रही है जो भी दोषी होगा उस पर कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि सामान्य यात्रियों को घूमाने के लिए इस वाहन को नहीं भेजा गया है इनके दुरुपयोग पर रोक लगा दी गई है।

कैबिनेट मंत्री अग्रवाल ने कार्ययोजना को लेकर जिलाधिकारी को दिये निर्देश

हमारे संवाददाता

देहरादून। कैबिनेट मंत्री डॉ प्रेमचंद अग्रवाल ने जिलाधिकारी देहरादून से पिछले वर्ष भारी वर्षा के कारण उनकी विधानसभा में जलमग्न हुए क्षेत्र में कार्य योजना को लेकर वार्ता की। उन्होंने निर्देशित करते हुए कार्य योजना शीघ्र बनाकर अवगत कराने तथा कार्य को प्रारंभ करने को कहा।

डॉ अग्रवाल ने कहा कि वर्ष 2023 में सामान्य से अधिक वर्षा होने के कारण रायवाला, श्यामपुर, खदरी, पांडेय प्लाट (ठाकुरपुर), गुमानीवाला सहित अनेकों ग्रामीण क्षेत्र एवं चन्देश्वरनगर, गंगानगर, मंसा देवी, शिवाजीनगर सहित अनेकों शहरी क्षेत्रों में जल भराव से व्यापक जनधन का नुकसान हुआ है। बताया कि ऋषिकेश विधानसभा क्षेत्र के सम्पूर्ण क्षेत्र का जन-जीवन बाढ़ से प्रभावित हुआ है।

डॉ अग्रवाल ने कहा कि स्थानीय आम जनमानस को इस अभूतपूर्व अतिवृष्टि से उत्पन्न जलभराव के कारण परिसम्पत्तियों के व्यापक नुकसान के साथ ही पशुधन की भी हानि हुई है। बताया कि समुचित जल निकासी की व्यवस्था न होने के कारण क्षेत्र के विभिन्न स्थानों पर जलभराव, भू-धसाव तथा किसानों की खरीफ की फसल को भी काफी नुकसान पहुँचा है। डॉ अग्रवाल ने बताया कि लोगों की निजी सम्पत्ति के साथ-साथ सार्वजनिक सम्पत्ति को भी काफी क्षति पहुँची है।

डॉ अग्रवाल ने निर्देशित करते हुए कहा कि सभी प्रभावित क्षेत्रों में पानी निकासी व बाढ़ नियंत्रण जैसे कार्यों के लिए शीघ्र कार्य योजना बनाएं। उन्होंने कहा कि कार्य योजना से उन्हें भी अवगत कराकर निर्माण कार्य शुरू किया जाए।

दो लोगों के खिलाफ बिजली चोरी का मुकदमा दर्ज

संवाददाता

देहरादून। पुलिस ने दो लोगों के खिलाफ बिजली चोरी का मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।प्राप्त जानकारी के अनुसार केवी उपसंस्थान की अवर अभियंता रेणु सिंह ने पटेलनगर कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि बालाजी एन्क्लेव में रहने वाले श्रीमती सुनीता देवी व अनुप रावत के मकान पर छापा मारा तो वहां पर उनके द्वारा मीटर के इनपुट टर्मिनल से तार जोडकर विद्युत चोरी करते हुए पकडा। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

पार्क से पेड काटने पर मुकदमा दर्ज

संवाददाता

देहरादून। पार्क से पेश काटने पर एक के खिलाफ पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार लाडपुर अनुभाग के वन दरोगा सरदार सिंह ने रायपुर थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि एमडीडीए कालोनी निवासी प्रवीण त्यागी ने एमडीडीए पार्क से अवैध रूप से वृक्षों को काटा है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

नाबालिग के अपहरण में 8 साल से फरार 50 हजार का इनामी गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। नाबालिक के अपहरण मामले में 8 साल से फरार चल रहे 50 हजार के इनामी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी अपनी सम्पत्ति बेचकर नेपाल में छुपा हुआ था।

जानकारी के अनुसार साल 2016 में मजाहिदपुर सतीवाला निवासी एक ग्रामीण ने उसकी 14 वर्षीय नाबालिक बहन को बहला फुसलाकर भगा ले जाने के मामले में सन्दीप गिरी पुत्र राजेन्द्र गिरी निवासी ग्राम रामपुरवा थाना मुफसील जिला बेतिया बिहार के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया था। जिसकी जांच में पुलिस जुटी हुई थी। जांच में पता चला कि आरोपी रोजगार की तलाश में हरिद्वार आया था और 2016 में बंदरजूड़ आईटीआई भवन के निर्माण का कार्य करता था। गिरफ्तारी के डर से उसके फरार होकर नेपाल चले जाने के कारण गिरफ्तारी में विलंब हो गया। पुलिस ने कोर्ट से उसके गैर जमानती वारंट हासिल किये। मफरूर घोषित किए जाने के बाद आईजी गढ़वाल ने उसकी गिरफ्तारी पर 50 हजार का इनाम भी घोषित किया था। पुलिस ने कई बार बिहार जाकर दबिश दी तो पता चला कि वह संपत्ति बेचकर नेपाल चला गया है। तब पुलिस ने बिहार और हरिद्वार में मुखबिर तंत्र को अलर्ट करते हुए जाल बिछाया। जिसकी अहम सूचना मिलने पर पुलिस ने उसे बीती शाम रुड़की रेलवे स्टेशन से गिरफ्तार कर लिया है।

बरेली का नशा तस्कर धर्मनगरी से गिरफ्तार, 102 ग्राम स्मैक बरामद

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। नशा तस्करी में लिप्त एक व्यक्ति को पुलिस व एनडीटीएफ टीम ने गिरफ्तार कर लिया है। जिसके पास से 102 ग्राम स्मैक बरामद की गयी है। आरोपी बरेली का कुख्यात नशा तस्कर है जो बरेली से स्मैक लाकर उसे धर्मनगरी हरिद्वार में सप्लाई किया करता था।

जानकारी के अनुसार आज सुबह एनडीटीएफ व सिटी कोतवाली पुलिस को सूचना मिली कि क्षेत्र में बरेली का एक नशा तस्कर भारी मात्रा में नशीले पदार्थो की डिलीवरी हेतू आने वाला है। सूचना पर कार्यवाही करते हुए एनडीटीएफ व पुलिस की सयुंक्त टीम ने बताये गये स्थान बिजली घर के पास इंडस्ट्रियल एरिया में छापेमारी कर एक नशा तस्कर को गिरफ्तार कर लिया गया। जिसके पास से 102 ग्राम स्मैक बरामद हुई। पूछताछ में उसने अपना नाम रियासुद्दीन पुत्र अलाउद्दीन निवासी बांगरगंज हुसैन बाग थाना किला जिला बरेली उत्तर प्रदेश बताया। बताया कि वह बरेली से सस्ते दामों में स्मैक खरीदकर हरिद्वार के विभिन्न क्षेत्रों में बेचता है। बहरहाल पुलिस ने उसके खिलाफ एनडीपीएस एक्ट की धाराओं में मुकदमा दर्ज कर उसे न्यायालय में पेश किया जहां से उसे जेल भेज दिया गया है।

एक नजर

डेनमार्क की प्रधनामंत्री मेटे फ्रेडरिक्शन पर हमला, हमलावर गिरफ्तार

कोपेनहेगन। डेनमार्क की प्रधान मंत्री मेटे फ्रेडरिक्शन पर एक हमलावर ने हमला कर दिया। घटना शुक्रवार की है। प्रधानमंत्री मध्य कोपेनहेगन में एक कार्यक्रम में थी, तभी अचानक एक व्यक्ति ने उन पर हमला कर दिया। हालांकि इस हमले से मेटे को कोई चोट नहीं आई। बाद में पुलिस ने हमलावर को गिरफ्तार कर लिया। प्रधानमंत्री के कार्यालय ने घटना का अधिक विवरण दिए बिना एक बयान में कहा, प्रधानमंत्री मेटे फ्रेडरिकसन शुक्रवार शाम कोपेनहेगन के कुल्टोरवेट (स्क्वायर, लाल) में थी। तभी एक व्यक्ति ने उनकी पिटाई कर दी। हमलावर को बाद में गिरफ्तार कर लिया गया। प्रधानमंत्री इस घटना से स्तब्ध हैं। पुलिस ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कहा कि उन्होंने पीएम मेटे पर हमला करने के आरोप में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है और घटना की जांच की जा रही है।

हमले के बाद प्रधानमंत्री तनावग्रस्त लग रही थीं। घटना स्थल के करीब एक चौराहे पर बरिस्ता में काम करने वाले सोरेन केजेरगार्ड ने कहा कि हमले के बाद प्रधानमंत्री को सुरक्षाकर्मियों द्वारा घेरे में ले जाते हुए देखा। यह हमला डेन्स के यूरोपीय संघ चुनाव में मतदान से दो दिन पहले हुआ है। अभी तीन हफ्ते पहले स्लोवाकिया के प्रधानमंत्री रॉबर्ट फिको पर भी जानलेवा हमला हुआ था। इस घातक हमले में वह गंभीर रूप से घायल हो गए थे। उन्हें कई गोलियां मारी गईं थीं। हालांकि उन्हें तत्काल अस्पताल में भर्ती कराया गया। वह अब डिस्चार्ज भी हो गए हैं।

रामोजी फिल्म सिटी के फाउंडर रामोजी राव का निधन

कानपुर। वेटेरन प्रोड्यूसर और हैदराबाद फिल्म सिटी के फाउंडर रामोजी राव के निधन की खबरों ने सबको सदमें में डाल दिया है। 87 साल के रामोजी पिछले काफी टाइम से बीमार थे साथ ही उन्हें सांस लेने में भी दिक्कत हो रही थी। जिसके बाद उन्हें 5 जून को हॉस्पिटल में एडमिट कराया गया था। लंबे समय तक बीमार रहने के बाद 8 जून को सुबह रामोजी राव ने अपनी आखिरी सांसें ली।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, रामोजी राव के पार्थिव शरीर को पहले फिल्म सिटी में मौजूद उनके घर पर ले जाया जाएगा। नरेंद्र मोदी ने ट्वीट कर लिखा कि, श्री रामोजी राव का निधन अत्यंत दु:खद है। वह एक दूरदर्शी व्यक्ति थे जिन्होंने भारतीय मीडिया में क्रांतिकारी परिवर्तन लाए। उनकी सेवाओं ने सिनेमा और पत्रकारिता के क्षेत्र में अमिट छाप छोड़ी। अपने अथक प्रयासों से उन्होंने मीडिया और मनोरंजन की दुनिया में उत्कृष्टता के नये मानक स्थापित किये हैं। रामोजी राव भारत के विकास को लेकर बहुत उत्साहित थे। मैं भाग्यशाली हूं कि मुझे उनके साथ बातचीत करने और उनके विशाल ज्ञान से लाभ उठाने के कई अवसर मिले। दुख की इस घड़ी में उनके परिवार, दोस्तों और अनगिनत प्रशंसकों के प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं। ऊं शांति

रूस की वोल्खोव नदी में डूबने से चार भारतीय छात्रों की मौत

मोस्को। रूस की वोल्खोव नदी में डूबने से चार भारतीय छात्रों की मौत हो गई। भारतीय मिशन उनके शव जल्द से जल्द परिजनों तक पहुंचाने के लिए रूसी अधिकारियों के साथ संपर्क में हैं। हादसे में जान गंवाने वाले चार भारतीय छात्रों में शामिल जीशान अशपाक पिंजरी नदी में डूबने से पहले अपने माता-पिता से वीडियो कॉल पर बात कर रहा था। उसके परिवार के एक सदस्य ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। एक अधिकारी ने बताया कि रूस की यारोस्लाव-द-वाइज नोवगोरोद स्टेट यूनिवर्सिटी में पढ़ने वाले हर्षल अनंतराव देसाले, जीशान पिंजरी, जिया फिरोज पिंजरी और मलिक गुलामगौस मोहम्मद याकूब वोल्खोव नदी के पास घूम रहे थे और इस दौरान पानी के अंदर चले गए। अधिकारी ने बताया कि निशा भूपेश सोनावणे नाम की एक छात्रा जीवित बच गई और उसका इलाज चल रहा है। जीशान और जिया भाई-बहन थे और महाराष्ट्र के जलगांव जिले में अमलनेर के रहने वाले थे। हर्षल इसी जिले के भदगांव का रहने वाला था। जीशान के परिवार के एक सदस्य ने स्थानीय मीडिया को बताया, 'जब वे वोल्खोव नदी में उतरे तो जीशान अपने परिजनों के साथ वीडियो कॉल पर था। उसके पिता और अन्य परिजन जीशान और अन्य छात्रों से बार-बार नदी से बाहर निकलने को कह रहे थे तभी एक जोरदार लहर आई और वे गहरे पानी में चले गए।

नई सरकार की रूपरेखा तैयार करने में जुटा एनडीए

नतमस्तक नेता कभी भी कर सकते हैं खेला

विशेष संवाददाता

नई दिल्ली। 18वीं लोकसभा के गठन की तैयारियां जोर-जोर से जारी हैं। एक तरफ इंडिया गठबंधन के प्रमुख दलों की संसदीय सदस्यों की बैठकों का दौर चल रहा है, कांग्रेस जो इस चुनाव में दूसरे बड़े दल के रूप में उभर कर सामने आया है। उसकी सीडब्ल्यूसी की बैठक में नेता विपक्ष के नाम पर विचार विमर्श चल रहा है वही एनडीए के नेता नए मंत्रिमंडल में किस-किस चेहरे को रखा जाए तथा किसको कौन सा मंत्रालय दिया जाए? जैसे गंभीर मुद्दों पर बैठकों का सिलसिला चल रहा है।

कल शाम 7:15 बजे नरेंद्र मोदी जिन्हे एनडीए द्वारा संसदीय दल का नेता चुना जा चुका है पद और गोपनीयता की शपथ लेंगे। उनके साथ कितने मंत्री शपथ लेंगे और किसका मंत्रालय के हिसाब से क्या वजूद रहेगा इस पर माथा पच्ची की जा रही है। अमित शाह ने आज जेपी नड्डा से मिलकर इस पर लंबी चर्चा की है। जदयू नेता नीतीश कुमार सहयोगी दलों में सबसे हैवीवेट नेता है। संसदीय दल की बैठक के दौरान उनका

मोदी के पैरों में झुकना अभी भी एक अबूझ पहेली बना हुआ है वही टीडीपी नेता नायडू जो मोदी की तारीफ में कसीदेकारी कर रहे हैं और हमेशा साथ

❑इस बार मजबूत विपक्ष होगा सामने

रहने की बात कर रहे हैं उन्हें क्या-क्या मिलता है यह सब एक-दो दिन में साफ हो जाएगा।

चर्चाओं में तो यह भी है कि नीतीश कुमार व चंद्रबाबू नायडू जो करते हैं उसके बारे में कहते नहीं है और जो कहते हैं वह करते नहीं है। कौन कब क्या कुछ बड़ा खेला कर देगा इसका कोई भी भरोसा नहीं किया जा सकता है।

उधर दूसरी तरफ नरेंद्र मोदी जिनका नीतीश, नायडू और चिराग पासवान पर जो प्यार बरस रहा है इसका कारण तो सभी को समझ आ रहा है। लेकिन इस प्यार-दुलार, मान-सम्मान के दिखावे के पीछे क्या कुछ चल रहा है कैबिनेट गठन और मंत्रालय के बंटवारे के बाद ही इसकी सही और साफ तस्वीर सामने आ सकेगी। हां इस बार लोकसभा में एक मजबूत विपक्ष जरूर दिखाई देगा। इसका नेतृत्व राहुल गांधी करेंगे या अखिलेश यह भी जल्द साफ हो जाएगा। पूर्ववर्ती भाजपा सरकार का तो प्रयास था कि नेता विपक्ष का पद समाप्त ही कर दिया जाए मगर अब कांग्रेस के 99 की संख्या बल ने उनके इस मंसूबे को ध्वस्त कर दिया है।

फरार चल रहा नाबालिग का अपहरणकर्ता गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। नाबालिग के अपहरण मामले में फरार चल रहे आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। जिसके कब्जे से अपहर्ता नाबालिग भी बरामद की गयी है।

जानकारी के अनुसार बीती 13 मई को मनसा देवी सीधी मार्ग जोगिया मंडी निवासी एक व्यक्ति ने नगर कोतवाली में तहरीर देकर बताया गया था कि कोई अज्ञात व्यक्ति उनकी नाबालिग पुत्री को बहला फुसला कर उसका अपहरण कर कहीं ले गया है। मामले की गम्भीरता को देखते हुए पुलिस ने तत्काल मुकदमा दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू कर दी गयी।

अपहरणकर्ता की तलाश में जुटी पुलिस टीम द्वारा लगातार प्रयास करते हुए सुरागरसी पतारसी कर अपहर्ता को स्थान शिवपुरी भीम नगर गुड़गांव से बरामद कर लिया गया है। साथ ही आरोपी अपहरणकर्ता तुषार अरोरा पुत्र यशपाल निवासी शिवपुरी मकान नंबर 125 ब/ 11 भीम नगर गुड़गांव हरियाणा को भी गिरफ्तार कर लिया गया है। जिसे न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया गया है।

टाईटन कम्पनी की नकली घड़ियां बेचने वाली दुकान पर छापेमारी

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। टाईटन कंपनी की नकली घड़ियों की बिक्री की सूचना पर पुलिस ने छापेमारी की तो दुकानदार फरार हो गया। हालांकि पुलिस को काफी संख्या में नकली घड़िया भी बरामद हुई है। जिस आधार पर अग्रिम कार्यवाही जारी है।

जानकारी के अनुसार बीती 6 जून को टाईटन कम्पनी के कर्मचारियों द्वारा कोतवाली गंगनहर में तहरीर देकर बताया गया कि उनके क्षेत्र में कुछ दुकानदार

❑दुकानदार फरार, भारी संख्या में नकली घड़ियां बरामद

टाईटन कम्पनी के नाम से नकली घड़ियां बेच रहे है। तहरीर को गम्भीरता से लेते हुए पुलिस ने बताये गये स्थान बीटीगंज क्षेत्र में सोनू टाइम सेंटर नामक दुकान पर छापेमारी की गयी। छापेमारी के दौरान मची अफरा तफरी का फायदा उठाते हुए दुकान मालिक मौके से फरार हो गया।

दुकान को चेक करने पर पुलिस को वहां से सोनाटा, फास्ट्रेक व टाईटन कंपनी की नकली घड़ियां बरामद हुई। बरामदगी के आधार पर पुलिस ने टाईटन कंपनी के कर्मचारियों द्वारा दी गई तहरीर पर कोतवाली में मुकदमा दर्ज कर अग्रिम कार्यवाही शुरू कर दी है।

पुलिस भर्ती की शारीरिक दक्षता परीक्षा 2 सितम्बर को

संवाददाता

देहरादून। उत्तराखण्ड पुलिस विभाग में उप निरीक्षक, गुलनायक व अग्निशमन द्वितीय अधिकारी की सीधी भर्ती हेतु शारीरिक दक्षता परीक्षा दो सितम्बर को होगी।

उत्तराखंड पुलिस विभाग में उप निरीक्षक (नागरिक पुलिस/अभिसूचना), गुलनायक एवं अग्निशमन द्वितीय अधिकारी की सीधी भर्ती हेतु शारीरिक नाप-जोख एवं शारीरिक दक्षता परीक्षा 30 जून, 2024 को प्रस्तावित की गई थी। वर्तमान में हो रही अधिक गर्मी के कारण अभ्यर्थियों द्वारा परीक्षा तिथि को आगे बढ़ाने हेतु मुख्यमंत्री से अनुरोध किया गया।

मुख्यमंत्री द्वारा अभ्यर्थियों के अनुरोध को सहानुभूतिपूर्वक स्वीकार करते हुए उपरोक्त शारीरिक नाप-जोख एवं शारीरिक दक्षता परीक्षा को 02 सितंबर, 2024 से कराए जाने हेतु पुलिस विभाग को निर्देशित किया गया।

आर.एन.आई.- 59626/94

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।

प्रधान संपादक
कांति कुमार

संपादक
पुष्पा कांति कुमार

समाचार संपादक
आनंद कांति कुमार

कानूनी सलाहकार:
वी के अरोड़ा, *एडवोकेट*
बैजनाथ, *एडवोकेट*

कार्यालय: दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।
मो. 9358134808

नोट: सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्री के लिए प्रिंटर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।